■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-12)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 24 अप्रैल ,2023

▶ गले मिल कर हिन्दू मुस्लिम एकता का दिया सन्देश

▶ धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा कानपुर में क्यों हुई स्थगित ?

▶ बड़ों की बातें छुपकर सुनने वाले बच्चों को क्यों नहीं करना चाहिए एंटरटेंन

न्यूज संक्षिप्त

राहुल ने सरकारी बंगला छोड़ा, मां के साथ रहेंगे

नयी दिल्ली। 'मोदी उपनाम' संबंधी टिप्पणियों को लेकर मानहानि मामले में सजा के बाद लोकसभा की सदस्यता गंवा चुके कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लुटियंस दिल्ली में 12, तुगलक लेन स्थित अपना सरकारी बंगला शनिवार को खाली कर दिया। फिलहाल वह अपनी मां सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर रहने गए हैं। राहुल ने कहा कि मैंने सच बोलने की कीमत चुकाई है, मैं सच के लिए हर कीमत चुकाने को तैयार हूं। यह घर मुझे हिंदुस्तान की जनता ने दिया था, मैं उनका धन्यवाद करता हूं। राहुल इस बंगले में करीब दो दशक से रह रहे थे। यह उन्हें वायनाड सांसद के तौर पर आवंटित था। राहुल ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को चाबियां सौंपीं। इस मौके पर सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं।

टीचर की पिटाई से छात्र के कान का पर्दा फटा

नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय एक बच्चे की उसके स्कूल के अध्यापक ने कथित रूप से इतना पीटा कि उसके कान का पर्दा फट गया। पुलिस ने बताया कि शंकर दयाल गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका 14 वर्षीय बेटा आयुष चिपयाना बुजुर्ग के पंचशील कॉलोनी में स्थित इंडियन चिल्ड्रन एकेडमी में कक्षा दसवीं का छात्र है। गत 19 अप्रैल को उनका बच्चा आयुष कक्षा से पानी पीने के लिए गया था, उसी समय अंग्रेजी के अध्यापक कमलेश झा ने कान एवं बाल पकड़कर बच्चे की पिटाई की। पुलिस के अनुसार बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डाक्टरों ने कहा कि बच्चे के कान का पर्दा फट गया है। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

तिरंगे से कर रहा था मुर्गे की सफाई, हिरासत में

सिलवासा। दादर और नगर हवेली के सिलवासा के एक व्यक्ति को सोशल मीडिया पर एक वीडियो के तेजी से प्रसारित होने के बाद गिरफ्तार किया गया, जिसमें कथित तौर पर वह तिरंगे से मुर्गे की सफाई करता दिखाई दे रहा है। सिलवासा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि उस व्यक्ति को मांस बेचने की एक दुकान पर मुर्गे को साफ करने के लिए तिरंगे को कपड़े के टुकड़े के रूप में इस्तेमाल करके राष्ट्रीय ध्वज का 'अपमान' करते देखा गया। पुलिस अधिकारी ने बताया, %हमने मामला दर्ज किया और उसे राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 की धारा दो के तहत गिरफ्तार कर लिया।

शहीद जवानों को नम आंखों से दी अंतिम विदाई

कपूरथला। जम्मू कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में शहीद हुए मोगा के जवान कुलवंत सिंह का राजकीय सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव चड़िक में अंतिम संस्कार कर दिया गया। जैसे ही उनके तीन माह के बेटे ने उनके शव को मुखाग्नि दी तो पूरे गांव की आंखें नम हो गई। शहीद कुलवंत सिंह के पिता बलदेव सिंह कारगिल युद्ध में शहीद हुए थे। शहीद बलदेव सिंह की ही नौकरी उनके बेटे कुलवंत सिंह को मिली थी। 14 साल पहले उन्होंने नौकरी ज्वाइन की थी। तीन साल पहले कुलवंत सिंह की शादी हुई थी। उनकी डेढ़ साल की एक बेटी और तीन महीने का बेटा है। एक महीना पहले ही कुलवंत छुट्टी काट कर गए थे। जैसे ही उनकी शहादत की सूचना गांव पहुंची तो पूरे गांव में मातम पसर गया था।

नरेन्द्र मोदी रखेंगे डिजिटल साइंस पार्क की आधारशिला, केरल को देंगे सौगात

देश को पहली वाटर मेट्रो की सौगात मिलने वाली है। इस वाटर मेट्रो की शुरुआत केरल में होगी जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से शुरू होने वाली केरल की दो-दिवसीय यात्रा के दौरान करेंगे। ये मेट्रो देश में चलने वाली अन्य मेट्रो से बेहद अलग होने वाली है। ये मेट्रो आम तौर पर चलने वाली पटरियों पर नहीं चलेगी बल्कि ये मेट्रो पानी पर चलेगी।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां मंगलवार को देश के पहले 'डिजिटल साइंस पार्क' की आधारशिला रखेंगे। यह 1,500 करोड़ रुपये की परियोजना है। एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि तीसरी पीढ़ी का यह पार्क टेक्नोपार्क फेज-चार -'टेक्नोसिटी' में केरल डिजिटल विश्वविद्यालय के करीब बनेगा। विज्ञप्ति के अनुसार, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वामपंथी

सरकार के विभिन्न मंत्री और कांग्रेस के तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।वॉटर मेट्रो के परिचालन से संबंधित तैयारियां पूरी हो गई है। इसके लिए कुल 14 टर्मिनलों का निर्माण किया गया है। प्रशासन ने शुरुआत में 23 वाटर बोट्स की व्यवस्था की है। माना जा रहा है कि कोच्चि जैसे तटीय इलाके के लिए वाटर मेट्रो सुविधाजनक हो सकती है, जिससे यात्रा का अनुभव भी अलग होगा। सरकार आने वाले समय में वाटर मेट्रो के नेटवर्क को विस्तार देने पर भी विचार कर रही है।'डिजिटल साइंस पार्क' परियोजना की परिकल्पना एक बहु-विषयक क्लस्टर-आधारित 'इंटरैक्टिव-इनोवेशन ज़ोन' के रूप में की गई थी और इसके दो साल में पूरा होने की उम्मीद है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 1,500 करोड़ रुपये से अधिक के कुल परियोजना परिव्यय में से 200 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा पहले ही आवंटित किये जा चुके हैं और शेष राशि उद्योग भागीदारों सहित अन्य स्रोतों से उत्पन्न की जाएगी। पीएम के दौरे से पहले धमकी भरा पत्र भेजने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

केरल पुलिस ने रविवार को उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर एक पत्र भेजकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आत्मघाती हमला करने की धमकी दी थी। प्रधानमंत्री 24 और 25 अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए राज्य का दौरा करेंगे। पुलिस ने बताया कि कोच्चि निवासी जेवियर को कथित रूप से दूसरे व्यक्ति के नाम से धमकी भरा पत्र लिखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। शहर के पुलिस आयुक्त के सेतु रमन ने बताया, ''हमने मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच करने के बाद उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह मामला व्यक्तिगत प्रतिशोध का है। वह चाहता था कि पत्र में उल्लेखित व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाये।''

कोच्चि निवासी एन. जे. जॉनी के नाम से मलयालम में लिखा गया पत्र भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन के कार्यालय में प्राप्त हुआ था और बाद में इस पत्र को पिछले सप्ताह पुलिस को सौंप दिया गया। अपर पुलिस महानिदेशक (खुफिया) की एक रिपोर्ट मीडिया में प्रसारित होने के बाद शनिवार को पत्र की खबर सामने आई थी। यह खबर सामने आने के बाद सुरेंद्रन ने मीडिया से मुलाकात की और कहा कि उन्होंने धमकी भरा पत्र एक सप्ताह पहले राज्य पुलिस प्रमुख को सौंपा था। जॉनी ने कल मीडिया से मुलाकात की थी और दावा किया था कि वह निर्दोष है।

उन्होंने कहा, ''पुलिस ने मुझसे पूछताछ की है। मैंने उन्हें सभी जानकारी दी है। उन्होंने लिखावट और हर चीज की जांच की है।'' उनके परिवार ने पुलिस को बताया कि उन्हें इलाके के एक अन्य व्यक्ति पर शक है, जिसकी एक चर्च से संबंधित किसी मामले को लेकर उनके साथ कुछ अनबन थी।

अमृतपाल पंजाब के मोगा से गिरफ्तार

भगोड़े अमृतपाल सिंह को रविवार सुबह पंजाब पुलिस ने मोगा के रोडे गांव में एक गुरुद्वारे से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी से पहले अमृतपाल गुरुद्वारे में प्रवचन दे रहा था। वह यहां अपने समर्थकों की भीड़ के साथ सरेंडर करना चाहता था। उसे बठिंडा एयरपोर्ट से फ्लाइट के जरिए असम की डिब्रूगढ़ जेल ले जाया जा रहा है। अमृतपाल पर एनएसए के तहत केस दर्ज है।अमृतपाल पिछले 36 दिन से फरार था। उसने अपने एक समर्थक की रिहाई के लिए 23 फरवरी को पंजाब के अजनाला थाने पर हमला किया था। 18 मार्च को पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की थी, लेकिन वह फरार हो गया। गिरफ्तारी से पहले अमृतपाल ने कहा, यह जरनैल सिंह भिंडरांवाले का जन्म स्थान है। उसी जगह पर हम अपना काम बढ़ा रहे हैं और अहम मोड़ पर खड़े हैं। एक महीने से जो कुछ हो रहा है, वह सब सभी ने देखा है। अगर सिर्फ गिरफ्तारी की बात होती, तो गिरफ्तारी के बहुत तरीके थे। हम सहयोग करते। दुनिया की कचहरी में हम दोषी हो सकते हैं। सच्चे गुरु की कचहरी में नहीं। एक महीने बाद फैसला किया, इसी धरती पर लड़े हैं और लड़ेंगे। जो झूठे केस हैं, उनका सामना करेंगे। गिरफ्तारी अंत नहीं शुरुआत है।% इसके लिए वह शनिवार रात को मोगा के गांव रोडे पहुंचा। यहां उसके करीबियों ने पंजाब पुलिस के अफसरों से संपर्क किया। इसके लिए रविवार यानी आज का दिन चुना गया था।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर आ सकता है भूचाल

संजय रावत ने किया दावा, कहा- जल्द गिरेगी राज्य की सरकार

शवसेना के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले धड़े के प्रमुख नेता राउत ने पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी अदालत के आदेश का इंतजार कर रही है और उम्मीद कर रही है कि न्याय किया जाएगा। राज्यसभा सदस्य उच्चतम न्यायालय में लंबित उन याचिकाओं का जिक्र कर रहे थे।

महाराष्ट्र में एक बार फिर से राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस बार शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने 23 अप्रैल को दावा किया है। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार का ''डेथ वारंट'' जारी हो गया है। उन्होंने कहा कि आगामी 15 से 20 दिनों में ही सरकार गिरने वाली है।

शिवसेना के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले धड़े के प्रमुख नेता राउत ने पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी अदालत के आदेश का इंतजार कर रही है और उम्मीद कर रही है कि न्याय किया जाएगा। राज्यसभा सदस्य उच्चतम न्यायालय में लंबित उन याचिकाओं का जिक्र कर रहे थे जिनमें से एक में शिवसेना (शिंदे धड़े) के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने का अनुरोध किया गया है जिन्होंने ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ बगावत की थी।

राउत ने दावा किया, ''मौजूदा मुख्यमंत्री और उनके 40 विधायकों की सरकार 15-20 दिन में गिर जाएगी। इस सरकार का डेथ वारंट जारी हो गया है। अब यह तय होना है कि कौन इस पर हस्ताक्षर करेगा।'' शिवसेना (यूबीटी) के नेता ने पूर्व में भी दावा किया था कि शिंदे सरकार फरवरी में गिर जाएगी।बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब महाराष्ट्र में सराकर को लेकर इस तरह की भविष्यवाणी की गई है। महाविकास अघाड़ी सरकार के गिरने के संबंध में विपक्ष में बैठे भाजपा नेता भविष्यवाणी करते थे। इससे पहले संजय राउत ने एनसीपी नेता अजित पवार को लेकर भी बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अजित पवार में राज्य का मुख्यमंत्री बनने की काबिलियत है। उनके पास प्रशासनिक अनुभव काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हर व्यक्ति बनना चाहेगा और अजित पवार में ये योग्यता भी है। वो वर्षों से राजनीति में है और कई अहम मंत्रीपद संभाल चुके है। वो दो बार उपमुख्यमंत्री रह चुके है।

कुछ लोग नफरत की राजनीति करके देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि कुछ लोग नफरत की राजनीति करके देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी जान देने के लिए तैयार हैं लेकिन ''देश को बांटने नहीं देंगी। बनर्जी ने शहर के रेड रोड पर ईद की नमाज के लिए एकत्रित लोगों से बात करते हुए उनसे एकजुट होने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2024 के लोकसभा चुनावों में परास्त हो।उन्होंने कहा, ''कुछ लोग देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं और नफरत की राजनीति कर रहे हैंज्मैं अपनी जान देने के लिए तैयार हूं लेकिन देश को बांटने नहीं दूंगी। भाजपा पर देश के संविधान को बदलने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा, ''वह पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक पंजी लागू होने नहीं देंगी।'उन्होंने कहा, ''मैं (अपने राजनीतिक विरोधियों के) धन बल और केंद्रीय एजेंसियों से लड़ने के लिए तैयार हूं लेकिन मैं अपना सिर नहीं झुकने दूंगी। तृणमूल कांग्रेस केंद्रीय एजेंसियों पर राजनीतिक उद्देश्य के साथ उनकी पार्टी पर कार्रवाई करने का आरोप लगाती है।ममता ने कहा, ''एक साल में यह तय करने के लिए चुनाव होंगे कि हमारे देश में कौन सत्ता में आएगा। हमसे वादा करिए कि हम एकजुट होंगे और विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ लड़ेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम सभी अगले चुनावों में उन्हें सत्ता से बाहर कर दें। अगर हम लोकतंत्र को बचाने में नाकाम रहे तो सबकुछ खत्म हो जाएगा।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बताया भारत के विश्वगुरु बनने का तरीका

भारतीय संस्कृति रुढ़ीवादी नहीं है, बल्कि समय के साथ बदलती रही है और ऐसी नहीं है जो हमसे यह कहे कि ''क्या खाना है और क्या नहीं खाना है।'' यहां मुदेती गांव में श्री भगवान याज्ञवलक्य वेदतत्वज्ञान योगाश्रम ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वेद संस्कृत ज्ञान गौरव समारंभ में भागवत ने कहा कि भारत का निर्माण वेदों के मूल्यों पर हुआ है, जिनका पीढ़ी दर पीढ़ी अनुसरण किया गया।

साबरकांठा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को यहां कहा कि विश्वगुरु बनने के लिए भारत को वेदों के ज्ञान और प्राचीन संस्कृत को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति रुढ़ीवादी नहीं है, बल्कि समय के साथ बदलती रही है और ऐसी नहीं है जो हमसे यह कहे कि ''क्या खाना है और क्या नहीं खाना है।'' यहां मुदेती गांव में श्री भगवान याज्ञवलक्य वेदतत्वज्ञान योगाश्रम ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वेद संस्कृत ज्ञान गौरव समारंभ में भागवत ने कहा कि भारत का निर्माण वेदों के मूल्यों पर हुआ है, जिनका पीढ़ी दर पीढ़ी अनुसरण किया गया।

हेलीकॉप्टर के पंखे की चपेट में आने से अधिकारी की मौत

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि अपराह्न सवा दो बजे के आसपास यह हादसा क्रिस्टल एविएशन के हेलीकॉप्टर से हुआ और उस समय टीम केदारनाथ में निरीक्षण करने के बाद वापस लौटने वाली थी। केदारनाथ के कपाट 25 अप्रैल को खुलने हैं।केदारनाथ में रविवार को हेलीकॉप्टर के पंखे की चपेट में आने से एक सरकारी अधिकारी की मृत्यु हो गई। रुद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने बताया कि हादसा दोपहर के समय केदारनाथ में जीएमवीएन हेलीपैड पर तब हुआ जब हेलीकॉप्टर में बैठने के लिए आ रहे अमित सैनी टेल रोटर की चपेट में आ गए।उन्होंने बताया कि हादसे में सैनी की गर्दन में गंभीर चोटें आईं जिससे उनकी मृत्यु हो गई। सैनी (35) राज्य सरकार के उड्डयन विभाग से संबंधित एजेंसी उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (युकाडा) में वित्त नियंत्रक के पद पर कार्यरत थे और केदारनाथ यात्रा शुरू होने से पहले हेलीकॉप्टर सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं के निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंची टीम में शामिल थे।

संपादकीय

ताकत बने आबादी

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के मुताबिक इस साल जून तक भारत की आबादी चीन से 29 लाख अधिक हो जायेगी। यूं तो सिमटते संसाधनों में आबादी का बढ़ना कोई अच्छी बात नहीं है, लेकिन हमारे लिये यह सुखद है कि यहां दुनिया की सबसे अधिक युवा कार्यशील आबादी देश में मौजूद है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में कार्यशील माने जाने वाले 15-64 आयुवर्ग की 68 फीसदी आबादी है। जबकि चीन में साठ साल से अधिक आबादी साठ फीसदी है। कुल मिलाकर नब्बे के दशक में जिस युवा आबादी के बूते चीन दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है, वैसे ही अवसर व हालात अब भारत के पक्ष में हैं। लेकिन हमारी बढ़ी आबादी तभी वरदान बन सकती है जब हम जनसंख्या लाभांश की क्षमता का दोहन करते हुए नये रोजगार के अवसर विकसित करें। जैसी दलील चीन ने अपनी गुणवत्तापूर्ण व प्रशिक्षित आबादी की बढ़त के रूप में दी है, उसका निष्कर्ष भी यही है कि जनसंख्या का लाभ न केवल संख्या पर निर्भर करता है बल्कि इसके लिए गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण कारक है। ऐसे में आर्थिक स्थिरता के लिये बड़े पैमाने पर कौशल उन्नयन को बढ़ावा देना होगा। हमारे सामने शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट, बेरोजगारी तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में गुणात्मक अभाव की चुनौती है। पर्याप्त नवाचार का अभाव हमारी विकास दर को धीमा कर देता है। व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता में कमी रोजगार के विकल्पों को कम करती है। जिसके चलते वैश्विक बाजार में दखल बनाने के मौके को हम गवां देते हैं। यदि नीति नियंता इस दिशा में गंभीर नहीं होते हैं तो बढ़ी आबादी बोझ भी बन सकती है। विकास गाथा को समावेशी बनाने के लिये देश के करीब डेढ़ अरब लोगों को साझेदारी करनी होगी। निस्संदेह, सबसे बड़ी व युवा आबादी वाले देश में दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था को हम सुनहरे अवसर में बदल सकते हैं। वर्ष 2055 तक कामकाजी आबादी की बढ़त जारी रहने से हम इस मौके का लाभ ले सकते हैं।दरअसल, यह वक्त बढ़ी आबादी को अपनी ताकत बनाने का है। हम आबादी नियंत्रण के सख्त उपाय भारत जैसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नहीं अपना सकते। वैसे भी माओ काल तथा उसके उपरांत भी सिंगल चाइल्ड पॉलिसी की सख्त नीति से चीन की आबादी में जो गिरावट शुरू हुई, उससे चीन फिर उबर नहीं पाया है। इस नीति को खत्म करने तथा ज्यादा बच्चों के लिये प्रेरित करने के बावजूद लोगों का इससे मोहभंग हो गया। जिसके दूरगामी परिणाम चीन की अर्थव्यवस्था में नजर आएंगे। मजदूरी बढ़ने से चीन के निर्यात अब महंगे होने लगे हैं। बहरहाल, जिस युवा आबादी के बूते चीन ने आर्थिक तरक्की की इबारत लिखी, वह मौका हमारे पास है। बशर्ते जाति-धर्म की राजनीति करने वाले नेता बाज आएं और डेढ़ अरब की आबादी के जरिये एक राष्ट्र के रूप में विकास की नई इबारत लिखें। हमारी आबादी में 35 साल से कम उम्र की 66 फीसदी आबादी देश की तरक्की की तस्वीर बदल सकती है। देश में बड़ा घरेलू बाजार हमारी ताकत है और हम विदेश निवेश को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था की प्राणवायु बना सकते हैं।

परंपरागत खेती के जरिये पर्यावरणीय संरक्षण

जिस जगह पर झूम खेती चल रही थी वहां जाकर देखने पर पाया कि एक पहाड़ी की ढलान पर उगी हरियाली और आल्डर नामक पेड़ों को काटा गया था, यह कटाई जमीन से लगभग 5-6 फीट ऊपर की जाती है और तने फिर भी बचे खड़े रहते हैं। पेड़ों की टहनियों को सलीके से काटकर, जगह-जगह इकट्ठा करके ढेर लगाए जाते हैं, जिन्हें आगे भण्डारण के लिए घरों में ले जाया जाता है, पत्तियों और छोटी टहनियों के ढेरों को ढलान पर जगह-जगह रखकर आग लगा दी जाती है। यूं वनस्पति से सफाचट मिली ढलानों पर, सीढ़ीदार खेत बनाकर कई किस्मों की फसलों की बुवाई होती है। जब मैं वहां पहुंचा तो बीजों से नई कोपलें अभी फूटी ही थीं।मैंने 'काटो-आग लगाओ कृषि' (झूम खेती) को किसी भी लिहाज से अविज्ञानी या पर्यावरणीय के हिसाब से विध्वंसक नहीं पाया। उदाहरणार्थ, आल्डर पेड़ों को एकदम जमीनी सतह से काटने की बजाय इतनी ऊंचाई छोड़कर काटा जाता है कि उगने वाली नई पत्तियों-टहनियों तक पशुओं की पहुंच न हो सके।

घुमंतू कृषि या 'झूम खेती' को आदिम और पर्यावरण के लिए घातक माना जाता है। मूलत: खेती की इस विधा में जंगली पेड़ों या झाड़-झंखाड़ की छंटाई-कटाई के बाद आग लगाकर बुवाई के लिए जमीन तैयार की जाती है और यह तरीका आज भी देश के उत्तर-पूरबी अंचल में प्रचलित है। यूं तो झूम खेती देश के पहाड़ी अंचलों में होती आई है लेकिन लगभग 90 फीसदी चलन इन दिनों उत्तर-पूरबी राज्यों में ही है।अपनी युवावस्था में, बतौर एक पत्रकार, मैंने भी झूम खेती से पर्यावरण को नुकसान के बारे में बहुत लिखा था। अधिकांश अनुसंधान अध्ययनों के अलावा नामी कृषि विज्ञानी भी बारम्बार इससे होने वाले नुकसान के बारे में आवाज़ उठाते रहे हैं और इसको अवैज्ञानिक एवं पुरातन कृषि ढंग बताते हैं। पर उत्तर-पूरबी जनजातियां इन नुकसानों के बारे में बताए जाने के बावजूद क्यों इस प्रथा को जारी रखे हुए हैं, यह जानने को मैं सदा उत्सुक था। इसका पता तो स्वयं वहां जाकर ही चलना था कि क्यों तमाम चेतावनियों और ताड़नाओं के बावजूद स्थानीय लोगों को झूम खेती न केवल आर्थिक रूप से व्यवहार्य बल्कि पर्यावरण के पुनर्निर्माण में भी सहायक लगती है।

आखिरकार, कोशिश करके मैं खोनोमा गांव जा पहुंचा, यह नगालैंड की राजधानी कोहिमा से 20 किमी. दूर है। विरोधाभास यह कि जिस गांव में झूम खेती देखने पहुंचा, कुछ साल पहले उसकी तारीफ मुख्यमंत्री ने 'एशिया का सबसे हरा-भरा गांव' होने को लेकर की थी। करीबन 123 वर्ग किमी. के क्षेत्रफल वाले इस गांव के पास इस बारे दिखाने को बहुत कुछ है कि पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक स्रोत का बचाव एवं संवर्धन, वन्य-जीवों का शिकार सीमित करना और गांव को साफ-सुथरा रखने की खातिर क्या-क्या उपाय अपनाए गए हैं।

जिस जगह पर झूम खेती चल रही थी वहां जाकर देखने पर पाया कि एक पहाड़ी की ढलान पर उगी हरियाली और आल्डर नामक पेड़ों को काटा गया था, यह कटाई जमीन से लगभग 5-6 फीट ऊपर की जाती है और तने फिर भी बचे खड़े रहते हैं। पेड़ों की टहनियों को सलीके से काटकर, जगह-जगह इकट्ठा करके ढेर लगाए जाते हैं, जिन्हें आगे भण्डारण के लिए घरों में ले जाया जाता है, पत्तियों और छोटी टहनियों के ढेरों को ढलान पर जगह-जगह रखकर आग लगा दी जाती है। यूं वनस्पति से सफाचट मिली ढलानों पर, सीढ़ीदार खेत बनाकर कई किस्मों की फसलों की बुवाई होती है। जब मैं वहां पहुंचा तो बीजों से नई कोपलें अभी फूटी ही थीं।मैंने 'काटो-आग लगाओ कृषि' (झूम खेती) को किसी भी लिहाज से अविज्ञानी या पर्यावरणीय के हिसाब से विध्वंसक नहीं पाया। उदाहरणार्थ, आल्डर पेड़ों को एकदम जमीनी सतह से काटने की बजाय इतनी ऊंचाई छोड़कर काटा जाता है कि उगने वाली नई पत्तियों-टहनियों तक पशुओं की पहुंच न हो सके। इसके अलावा किसानों को पता है कि फलीदार होने की वजह से आल्डर पेड़ बहुत कीमती हैं। चूंकि यह पेड़ वातावरण से नाइट्रोजन खींचकर जमीन तक पहुंचाते हैं इसलिए मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। तभी इन पेड़ों को सावधानीपूर्वक बचाया जाता है। कृषकों ने मुझे बताया कि सूखी पत्तियां और जंगली बूटियां जलाने पर नुकसानदायक कीटों के अंडे-प्यूपा इत्यादि और अन्य सूक्ष्म-जैविक अवयवों से छुटकारा मिलने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार आता है। अगले दो साल तक, विभिन्न किस्म की फसलें इन ढलानों पर उगाई जाएंगी, तदुपरांत, इस झूम को छोड़कर किसी अन्य वन्य ढलान पर यह सब दोहराया जाएगा। कानून इन लोगों को अपने आसपास की वन्य भूमि से पेड़ काटने की इज़ाजत देता है, पर केवल उस सूरत में, जब पेड़ बढ़ती फसल को सूर्य की रोशनी पाने में रुकावट पैदा करे। यह पूछने पर कि जो फसलें वे उगाते हैं उससे उनके परिवार का खर्चा चल जाता है, तो जिस किसी सान से मैं मिला, सभी ने एक राय से 'हां' कहा। वे कहते हैं ' एक तो हमें जलाने के लिए लकड़ी मिल जाती है, फिर चूंकि हम जैविक खेती करते हैं, हमारे परिवार के लिए पर्याप्त मात्रा में स्वास्थ्यवर्धक भोजन मिल जाता है।' एक अन्य कृषक ने कहा 'विभिन्न फसलें होने से हमारे पास जो फालतू अन्न होता है उसे हम स्थानीय मंडी में बेच सकते हैं।'मजेदार बात यह कि संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन ने अपने एक अध्ययन (एफएओ मृदा बुलेटिन नं. 53) में पाया है कि कृषि का रिवायती तरीका पर्यावरणीय संतुलन बनाने से मेल खाता है। इसमें कहा गया है कि झूम खेती से मिट्टी के गुणों को स्थाई रूप से नुकसान नहीं पहुंचता बशर्ते पुनर्निर्माण के लिए छोड़ा अंतराल काफी हो। मेरी अपनी समझ में, भूमि प्रबंधन सुनिश्चित करना कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिसके तहत पेड़, मिट्टी और जैव-विविधता का ख्याल रखना है। यदि यह तीन शर्तें पूरी होती हों तो जैसा कि अनेक सिविल सोसायटी के वरिष्ठों का भी मानना है, झूम खेती में कुछ गलत नहीं है।वहीं दूसरी तरफ, अनेकानेक अन्य अध्ययन बताते हैं कि बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण, एक भूखंड पर दो झूमों के बीच रखे जाने वाला अंतराल घटता जा रहा है। आदर्श स्थिति में यह समय, मिट्टी की पुनर्निर्माण क्षमता के हिसाब से 10 से 20 साल के बीच होना चाहिए। खोनोमा गांव के किसानों ने मुझे बताया कि मौजूदा अंतराल 7-10 बरस के बीच है। हालांकि इसमें कोई शक नहीं कि पहले यह 14-17 वर्ष हुआ करता था। मिट्टी की घटती उर्वरता शक्ति, मिट्टी की परत का बढ़ता क्षरण, कम पड़ती कृषि भूमि को लेकर वैज्ञानिक बहुत आलोचनात्मक रुख रखते हैं इसलिए कृषि के तौर-तरीकों को टिकाऊ सघनता वाली खेती से बदलने की बात कहते हैं। दरअसल, यहां जो एक बिंदु भूल रहे हैं वह है बाजार-नीत सघन कृषि-व्यवस्था, जिसमें कुछ फसलें बारी-बारी उगाई जाती हैं, इसने न केवल मिट्टी की उर्वरता में ह्रास को तेज किया, भूमिगत जल खींचकर खत्म कर डाला बल्कि ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में भी इजाफा किया है। यदि औपचारिक कृषि अनुसंधान और शिक्षा व्यवस्था दुनिया को इस किस्म के विध्वंस की ओर ले जा रही है, तब रिवायती समाज की झूम जैसी खेती से सीखकर मौजूदा कृषि व्यवस्था में सुधार लाना ज्यादा समझदारी है। यह मुख्यत: इसलिए भी, क्योंकि वैज्ञानिक बिरादरी की प्रतिक्रियावादी सोच, विकल्पों की तलाश में मायूसी हाथ लगना, यहां तक कि व्यवहार्य विकल्पों की तलाश में भी सीमित सफलता ही मिल पाना (बकौल, 'मिट्टी एवं पर्यावरण महाकोष 2005')। अन्य शब्दों में, किसानों को जिस पर यकीन होता है और जिसे वह ठीक समझते हैं, वही करते हैं। लेकिन मंडियां भी झूम खेती को लेकर खुश नहीं हैं क्योंकि दुनियाभर के पहाड़ी इलाकों में प्रचलित खेती का यह ढंग उनकी तय की गई मूल्य शृंखला के दायरे से बाहर जो बना हुआ है। आसान शब्दों में, 'काटो-जलाओ कृषि' व्यवस्था एक तरह से राजनीति में फंसी हुई है।फिलहाल, विश्व खाद्य पुरस्कार विजेता प्रोफेसर रत्न लाल द्वारा कुछ समय पहले सुझाए बिंदुओं की पुष्टि करें। उनका सुझाव है कि किसानों को मिलने वाले पैसे में कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने और अन्य पर्यावरण मित्र सेवाओं का मुआवजा जोड़ा जाना चाहिए।

व्यंग्य : अब कुत्ते भी मूलनिवासी, घोषित होगी इनकी कार्यकारिणी.!

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

जांच करने पर पता चला ये सियार उस जज को ढूंढ रहे जिसने कुत्तों को मूलनिवासी का दर्जा दे दिया और सियारो के साथ नाइंसाफी हुई है। उधर एक बंदर ने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि मैं मांग करता हूँ सरकार से कि इधर उधर फालतू घूम रहे सभी ओबीसी के कुत्तों को पकड़ कर उन्हें प्रशिक्षित करे

समाचार पत्रों के मुताबिक कुत्ते अब भारत में मूलनिवासी का दर्जा प्राप्त कर लेंगे और अब जिन क्षेत्रों में वे मूलनिवासी होंगे उन क्षेत्र में सियारों ने अब तक चालीस लोगों को काट लिया है,और ये आंकड़ा कल तक का है । जांच करने पर पता चला ये सियार उस जज को ढूंढ रहे जिसने कुत्तों को मूलनिवासी का दर्जा दे दिया और सियारो के साथ नाइंसाफी हुई है । उधर एक बंदर ने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि मैं मांग करता हूँ सरकार से कि इधर उधर फालतू घूम रहे सभी ओबीसी के कुत्तों को पकड़ कर उन्हें प्रशिक्षित करे और उन्हें नियुद्ध कला (बिना हथियार वाला युद्ध) में पारंगत बनाये और उनके दांत तेज करवा के देश मे एक कुत्ता रेजीमेंट और कुत्ता फायर बिग्रेड बना के उन्हें चीन व पाकिस्तान सीमा पर ले जाकर छोड़ दे,इससे युद्ध या छद्म युद्ध की दशा में उन लोगों के पाव पाव भर सौ सौ ग्राम के न्युक्लियर बम कुछ नहीं कर पाएंगे और ओबीसी के ये कुत्ते उनका नाक कान और उससे मिलते जुलते शब्द वाले अंग पर बुरी तरह काट खाएंगे,इससे उनकी पूरी सेना में भगदड़ मच जाएगी और वो सब भाग चलेंगे और मैदान साफ हो जाएगा फिर हमारी सेना आगे बढ़ के लाहौर तक कब्जा कर सकती, पाकिस्तानी तो थोड़ा बहुत प्रतिरोध भी कर सकते हैं पर पिद्दी पिद्दी चीनी सैनिक तो सियार बिग्रेड के सामने एक मिनट भी नहीं टिक पाएंगे और हमारी सेना बड़े आराम से बीजिंग तक चढ़ जाएगी, इसमें मूल निवासी देशी कुत्तों की भी सहायता ली जा सकती है जिनसे आजकल पूरा देश परेशान है, ज्ञातव्य हो कि अभी दो दिन पहले ही विद्वान जजों की एक कमेटी ने कुत्तों को देश का मूल-निवासी घोषित किया है जिससे विशाल देशी कुत्ता समुदाय में तो खुशी की लहर दौड़ गयी है जबकि कुछ तथाकथित जाति के नेता टाइप ठेकेदार लोगों को सांप सूंघ गया है, इस एक छोटी सी पहल से न केवल आवारा कुत्तों व सियारों की समस्या से मुक्ति मिलेगी बल्कि हम उनको समाज की मुख्यधारा में लाने का पुनीत कार्य करेंगे, और हमारे देश की प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत ही मजबूत हो जाएगी। उधर कुत्तों के मूलनिवासी बनते ही उनकी भी जनसंख्या की गिनती के बाद भारत की जनसंख्या चीन से आगे निकल गई । संयुक्त राष्ट्र संघ की एक आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार भारतवर्ष की जनसंख्या अब विश्व के प्रथम स्थान पर पहुँच गई है (फ़रवरी 2023 तक 142.8 करोड़)। इस बढ़ी हुई आबादी में सबसे बड़ा योगदान 15- 64 वर्ष के ऊपर के नागरिक कर रहे हैं । उनकी जनसंख्या की भागीदारी 68 पर्सेंट के लगभग बतायी गई है।जनसंख्या के मामले में चीन अब दूसरे स्थान पर हो गया है (142.5 करोड़), वहाँ कामगारों की संख्या 90 करोड़ से अधिक है, भारत वर्ष में कुल 50 करोड़ के लगभग कामगार बताये जा रहे हैं, शेष हम आप बतायें? क्या कर रहे हैं लोग । कुछ तो बी. ए. बनने की होड़ में लगे हैं।फिर भी भारत सरकार आशान्वित है कि दक्ष कारीगरों के बदौलत वर्ष 2030 तक भारत सात ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा! सोचिए कोई भी भारतीय शिक्षा प्रणाली तकनीकी विशेषज्ञ नहीं तैयार करती हैं जब तक वह किसी विशेष संस्थान में जा करके अलग से कुछ नया सीखता नहीं है? ।कोई स्किल नहीं कहाँ से पूरा होगा।चीन का अभी भी यह दावा है कि वह अपने कामगारों के बदौलत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में बढ़ता ही रहेगा। दुनिया की पूरी आबादी वर्ष 2023 में लगभग 804.5 करोड़ आकलित की गई है जिसमें एक तिहाई लोग भारत और चीन के क्षेत्रफल में निवास करते हैं। वर्ष 2050 तक भारत की आबादी 166.8 करोड़ से अधिक की होगी। मेरा मानना है कि अधिकांश शेष बचे भारतीय लोग सरकार से सब्सिडी पाकर अपना जीवन आनन्द पूर्वक बिता रहे हैं, वह वोट बैंक बन कर ही खुश हैं। इसमें किसी एक राजनीतिक पार्टी को दोष नहीं दिया जा सकता है । हम एक पार्टी को जब दोष देते हैं तो यह भूल जाते हैं कि केन्द्र में बैठी हुई भारतीय जनता पार्टी की सरकार भी यही कार्य कर रही है। हमें बचपन से सुनी एक कहावत याद आती है कि, 卐जब बैठे मिले खाने को तो कौन जाये कमाने को !卐 ।हम आज भी गाँव क़स्बे के नवयुवकों को इसी स्वरूप में देख रहे हैं। देश का तथाकथित जनसेवा के लिए समर्पित नेता वर्ग अलग से दिन- प्रतिदिन इस देश पर भार बनता जा रहा है। देखा जाए तो यह भारत वर्ष का सबसे बड़े अनुत्पादक वर्ग एक विशाल समूह है, जो प्रति त्रिस्तरीय मुख्य संवैधानिक व्यवस्थागत चुनावों से लेकर विभागीय ,कार्यालयीन , कोआपरेटिव अथवा अन्य समितियों के चुनाव में ही जीवन काट देता है, उसका मुखौटा जनसेवक का बना रहता है। जन सेवा के नाम पर वह प्राय: कामचोरी या भ्रष्टाचार करने के मौक़े भी तलाश करता रहा है। निश्चित ही यह लोकतांत्रिक चुनावी दौड़ की व्यवस्था भी इनमें सम्मलित होने वाले विशाल वर्ग के भारतवर्ष जैसे देश के पिछड़े होने का सबसे बड़ा कारण है।

वैसे जनसंख्या वृद्धि का असली व मुख्य कारण तो आप सब को मालूम ही होगा। बार- बार कहने से क्या फ़ायदा।अब आगे भी सरकार से माँग होगी ही की सभी की रोज़गार दिया जाए, यही नहीं पड़ोसी देशों से नये- नये लोगों को लाकर बसाने वाले भी यही माँग दोहराएंगे। कुछ सुबह से मन में था वह कह दिया।पृथ्वी दिवस भी है।

निर्देशक अनुपम कुमार और अभिनेता लाडो मधेशिया की फिल्म 'बैजयंती' की शूटिंग प्रारंभ

चित्रकूट। विश्वामित्र फिल्म्स के बैनर तले बन रही फिल्म बैजयंती की शूटिंग चित्रकूट में पूजा अर्चना के साथ शुरू हुई। फिल्म के निर्देशक अनुपम कुमार इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे है। फिल्म की कहानी के बारे में निर्देशक अनुपम कुमार और अभिनेता लाडो मधेशिया ने फिल्म पीआरओ रितिक कौशिक को बताया की फिल्म 'बैजयंती' हॉरर कॉमेडी फैमली ड्रामा पर आधारित है।जिसमे गीत संगीत का भरपूर मनोरंजन मिलेगा। इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। फिल्म के निर्माता हरिनिथा फिल्म्स है, निर्देशक अनुपम कुमार है, सह निर्माता सुजीत कामत है। फिल्म को अपने कैमरे में कैद करेंगे डीओपी अमिताभ चंद्रा और लेखक अंकित सिंह पटेल है। मुख्य सहायक निर्देशक सत्य प्रकाश सिंह बाबा है।गीतकार एस. कुमार और अंकित सिंह पटेल है। संगीत एस. कुमार का है, नृत्य विवेक थापा है। प्रोडक्शन हेड अरमान शेख है, फिल्म पीआरओ रितिक कौशिक है। फिल्म के मुख्य भूमिका में लाडो मधेशिया, सपना सिंह, साहेब, अनूप अरोड़ा, संटू राज, सुधा आदि कलाकार नजर आएंगे।

काली दास पाण्डेय

हर समाज में चिंतन कर हल निकालना समय की मांग

गोंदिया । वैश्विक स्तरपर मीडिया में आई जानकारी को संज्ञान में लेकर बात सामने आ रही है कि कुछ सालों से बच्चों युवकों की हिंसात्मक गतिविधियों में लिप्तता कुछ अधिक सुनाई दे रही है, जैसे विकसित देश अमेरिका में भी बच्चों द्वारा आपराधिक संलिप्तता वैसे ही भारत में भी बच्चों युवकों की अपराध में संलिप्तता के मामले अधिक सुनने में आ रहे हैं। मेरा मानना है कि अगर देश भर में गिरफ्तारियों पर नजर डाली जाए तो बच्चों युवकों के मामले हमें अधिक दिखाई देंगे। अभी दिनांक 15 अप्रैल 2023 को देर रात्रि जिस तरह 18 से 25 वर्ष उम्र के तीन युवकों द्वारा एक हाईप्रोफाइल हत्या को टर्किश हथियार से अंजाम दिया गया जो भारत में बाधित है, उसे देख सुनकर भारत सहित पूरा विश्व हैरान रह गया है और 18 वर्षके एक बच्चे की संलिप्तता को से इतनी बड़ी घटना को अंजाम देने पर कई सवालिया निशान खड़े हो गए हैं कि आखिर हमारे बच्चे युवा किस दिशा में जा रहे हैं। एक ओर भारत के बच्चे युवा उपलब्धियों के झंडे गाड़ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ हमारे बच्चे और युवाओं की ऐसे हाई प्रोफाइल हत्या के केसों में संलग्नता अति चिंतनीय है। सबसे बड़ी बात सामने आई है कि इनके ऊपर कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। यानें इसका मतलब यह बहुत मंझे हुए खिलाड़ी और प्रोफेशनल शूटर भी हैं। याने अपनी उम्र से कुछ वर्ष पूर्व ही अपराध की दुनियां में कदम रखे होंगे, जब वे बच्चों की श्रेणी में ही होंगे। जिनकी बात उनके घरवालों ने भी कबूली है जोकि रेखांकित करने वाली बात है। हालांकि इस संबंध में किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2021 हमारे पास है। बच्चों से संबंधित अनेक अधिनियम जैसे बाल (श्रम की प्रतिज्ञा) अधिनियम,1933, बच्चों का रोजगार अधिनियम 1938, कारखाना अधिनियम 1948, खान अधिनियम 1952, बाल श्रम(निषेध और नियमन) अधिनियम 1986, शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 सहित अनेक बच्चों के अधिनियम हमारे पास हैं। चूंकि उपरोक्त हाई प्रोफाइल केस में 18-25 वर्ष के प्रोफेशनल शामिल है, जिसकी एनएचआरसी ने यूपी डीजीपी और प्रयागराज पुलिस कमिश्नर से 18 अप्रैल 2023 को नोटिस देकर एक रिपोर्ट तलब की है। वही यूपी सरकार ने18 अप्रैल 2023, को ही 61 माफियाओं की सूची जारी की है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी केसहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, 18 वर्ष की उम्र ञ्च हाई प्रोफाइल हत्या ।साथियों बात अगर हम बच्चों की करें तो, पिछले कुछ सालों में हत्या,बलात्कार और इस तरह के बड़े अपराधों में किशोरवय बच्चों की संलिप्तता पर समाज के हर तबकों में चिंता व्यक्त की गई है। अपराध के आंकड़े भी ऐसे ही दशा दिखा रहे हैं। इसके मद्देनजर किशोर अधिनियम में बदलाव की भी मांग उठी और 2014 में संशोधित अधिनियम के अनुसार जघन्य अपराध में शामिलकिशोरों पर वयस्कों के जैसे मुकदमा चलाने की बात चली, लेकिन यह अधिकार का इस्तेमाल किशोर न्याय बोर्ड ही कर सकता है। अब भी कानूनन उम्र कैद या मौत की सजा नहीं हो सकती है। इस संशोधन से पहले नाबालिग को तीन साल तक सुधार गृह में रखने की अधिकतम सजा दी जा सकती थी। हालांकि अभी किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और सुरक्षा) संशोधन अधिनियम 2021 लागू है। सोचना तो यह चाहिए कि आखिर ये बड़े होते बच्चे और किशोर इतने हिंसक क्यों बन रहे हैं? पुलिस को यह भी रिकॉर्ड के आधार पर बताना चाहिए किस प्रकार के परिवेश में रहने वाले लोग ऐसे अपराध में अधिक लिप्त पाए जाते दिखते हैं ताकि दूरगामी रूप से हल निकालने की नीति बनाई जा सके। सामाजिक विज्ञान के अध्यताओं को भी इस दिशा में काम करने की जरूरत है ।साथियों यह सही है कि बच्चे यदि जल्दी बड़े होने लगे हैं और उन्हें खेल-कूद, पढ़ाई-लिखाई से इतर दुनिया ज्यादा आकर्षित करने लगी है तो इन्हें इसका खामियाजा भी भुगतने को तैयार रहना होगा, लेकिन इसके पहले दो बातों पर विचार करना चाहिए। एक तो क्या कोई भी व्यक्ति चाहे-बच्चा हो या बड़ा-अपराध करने से पहले यह सोचता होगा कि उसे कैसा अंजाम भुगतना होगा? सभी अपने को समझदार समझते हैं कि वे तो बच जाएंगे तो ऐसा बच्चे क्यों नहीं सोचेंगे? तब सख्त सजा दूसरों को अपराध की दुनिया में कदम रखने से कैसे रोकेगा और दूसरा सवाल कि बच्चे बच्चों की तरह बड़े क्यों नहीं बन रहे हैं? सोचना चाहिए कि बच्चों में आपराधिक प्रवृत्ति कहां से आ रही है? यह एक बड़ा सवाल है जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है ।मीडिया तथा अन्य संचार माध्यमों पर तो लगातार विशेषज्ञों एवं जानकारों की राय आती रहती है कि कैसे आक्रमकता एवं यौनिक कुंठाएं पैदा हो रही हैं। पिछले दिनों एक अग्रणी अस्पताल ने बच्चों की हिंसात्मक प्रवृत्ति पर कराए गए एक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पेश की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि हिंसात्मक फिल्में देखने के कारण बच्चों में हथियार रखने की परिपाटी बढ़ रही है। सर्वेक्षण रिपोर्ट बताती है कि 14 से 17 वर्ष के किशोर हिंसात्मक फिल्में देखने के शौकीन हो गए हैं। ध्यान रहे यह समस्या कुछ घटनाओं तक सीमित नहीं है और न ही जघन्य अपराधों तक जोकि अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं बल्कि लड़ाकू-झगड़ालू दूसरों को तंग करना, बुलिंग आदि की शिकायतें आए दिन स्कूल परिसरों की सरदर्दी बनती जा रही हैं। जिसपर स्कूलों पर ध्यान देने की जरूरत है। साथियों बात अगर हम भारत में प्रमुख बाल मुद्दों और बच्चों के संबंध में सरकारी नीतियों की करें तो, भारत में प्रमुख बाल मुद्दे-बाल श्रम,बच्ची, कुपोषण,गरीबी, निरक्षरता, बाल विवाह, बच्चों का अवैध व्यापार, लिंग असमानता।बच्चों के संबंध में सरकार की नीतियां, भारत सरकार ने देश के बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को लेकर कई नीतियां बनाई हैं। सरकार ने बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को लेकर भी कई नीतियां बनाई हैं।

एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ज्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

प्रथम मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मण्डलायुक्त, कानपुर डा0 राज शेखर की अध्यक्षता में प्रथम मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में मुख्यत: नगर आयुक्त नगर निगम, पुलिस उपायुक्त (यातायात), अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य, आर0टी0ओ0 (प्रशासन), आर0टी0ओ0 (प्रवर्तन), अध्यक्ष आई0एम0ए0, अधीक्षण अभियन्ता पी0डब्ल्यूडी0 के साथ ही अन्य संबंधित विभागों के मण्डल स्तरीय अधिकारी एवं अन्य स्टेक होल्डर उपस्थित रहे। बैठक में मण्डलायुक्त द्वारा बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सामूहिक प्रयास करने के साथ ही निम्न निर्देश दिए गए-मण्डल में हुयी सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने गत वर्ष की तुलना में कानपुर नगर, कानपुर देहात एवं इटावा में सड़क दुर्घटनों में आयी कमी पर संतोष व्यक्त किया गया, परन्तु जनपद फर्रूखाबाद, कन्नौज एवं औरेया में सड़क दुर्घटनाओं में गत वर्ष के सापेक्ष मृतकों एवं घायलों की संख्या में हुयी वृद्धि पर गहरी अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए

सभी संबंधित विभागों को चेतावनी देते हुए भविष्य में समन्वित प्रयास करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु निर्देश दिए।मंडल में ब्लैक स्पाट्स में सुधारात्मक कार्यवाही की समीक्षा की गयी। कानपुर मण्डल में चिन्हित 95 ब्लैक स्पाट्स की समीक्षा करते हुए चिन्हित ब्लैक स्पाट्स पर कार्यवाही हेतु संबंधित विभागों एवं एजेंसी के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि दिनांक 30.04.2023 तक चिन्हित सभी ब्लैक स्पाट्स पर जो भी सुधारात्मक कार्यवाही अपेक्षित हो उसे पूरा करते हुए संबंधित ऐप के पोर्टल पर अपलोड करने हेतु निर्देश दिया गया।

साथ ही अब तक उक्त कार्यवाही पूर्ण न किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जो विभाग कार्यवाही नहीं करेगा और अपलोड नहीं करेंगे उनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही हेतु विभागाध्यक्ष को लिखा जायेगा। मण्डल के सभी ब्लैक स्पाट्स की अद्यतन रिपोर्ट दिनांक 01.05.2023 को प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए गए।मार्ग दुर्घटनाओं के अन्य प्रमुख कारकों जैसे- वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करना, रांग साइड (विपरीत दिशा) में वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चलाना, ओवर स्पीडिंग करना आदि के संबंध में संबंधित स्टेक होल्डर के साथ बैठक कर जनजागरूकता कार्यक्रय चलाने हेतु निर्देश दिए गए।समीक्षा में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अधिकांश मार्ग दुर्घटनायें रांग साइड वाहन चलाने वाले चालकों की लापरवाही के कारण होती है। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा बताया गया कि मंडल में 1116 वाहनों के चालान रांग साइड अभियोग में किए गए हैं। मण्डलायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि ऐसे सभी चालकों के विरूद्ध सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के निर्देशानुसार संबंधित लाइसेंस धारकों का मोटर वाहन कानून की संबंधित धाराओं के अंतर्गत निलम्बित/निरस्त किए जाने की कार्यवाही की जाए। यदि वाहन चालक किसी अन्य जनपद/राज्य का हो तो भी संबंधित लाइसेंसिग अथारटी को उक्त लाइसेंस के निलम्बित/निरस्त किए जाने हेतु प्रेषित किया जाए। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि यदि कोई व्यक्ति अपने नागरिक कर्त्तव्यों का प्रयोग करते हुए रांग साइड वाहन चलाने वाले व्यक्ति का फोटों खींचकर भेजता है तो ऐसे लोगों की पहचान गुप्त रखी जाएगी और उसे सम्मानित भी किया जाएगा।बैठक में डीसीपी ट्रैफिक द्वारा बताया गया कि कुछ वाहन डीलरों द्वारा बिना वाहन पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाये नए वाहन डिलीवर कर दिए जा रहे हैं। ऐसे वाहनों से किसी भी प्रकार की दुर्घटना कर भाग जाने की स्थिति में उनकी पहचान न होने के कारण कोई कार्यवाही नहीं हो पाती है। मण्डलायुक्त द्वारा निर्देश दिए गए कि बिना नंबर प्लेट के वाहन मार्ग पर पाये जाने पर इनको निरूद्ध करने की त्वरित कार्यवाही की जाए। साथ ही ऐसे डीलरों के ट्रेड निलम्बित करने की कार्यवाही परिवहन विभाग करें। बिना लगाये डीलरों द्वारा वाहन किसी भी दशा में न दिया जाए।

डॉक्टर के भाई नें फंदा लगाकर दी जान

कानपुर। आथोर्पेडिक डॉक्टर डा. दीपक डालमिया के छोटे भाई प्रशांत डालमिया ने घर में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। जनरलगंज में कपड़े का उनका बड़ा कारोबार था। सिविल लाइंस में योग टॉवर की 7वीं मंजिल में 704 नंबर फ्लैट में उन्होंने कर्जदारों से परेशान होकर जान दे दी। मौत से पहले लिखे सुसाइड नोट में उन्होंने अपने परिवार वालों से माफी मांगी है। परिजनों ने बताया कि 20 दिन से घर में अकेले थे। उनकी पत्नी दिव्या बंगलुरू गईं थीं। वहां उनकी दोनों बेटियां मलिका और वेदिका पढ़ाई कर रही हैं। पुलिस के मुताबिक, रात में ही उन्होंने फ्लैट की बालकनी में फंदा लगाकर जान दी है। दोपहर में ड्राइवर मनोज पहुंचा। उसने काफी देर तक खटखटाने में जब दरवाजा नहीं खुला तो उसने फ्लैट के ऊपर रह रहे चाचा और उनके भाई को फोन कर जानकारी दी।परिजनों ने पुलिस की मौजूदगी में ताला खोला तो फ्लैट के अंदर की बालकनी में फंदे पर प्रशांत की बॉडी लटक रही थी। पुलिस ने फॉरेंसिक को सूचना देकर मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पत्नी और बच्चियां देर रात तक कानपुर पहुंचेंगे।एसीपी कर्नलगंज मो. अकमल खान ने बताया कि परिवार करीब 20 दिन से यहां नहीं था। कोरोना काल में व्यापार के लिए कर्ज लिया था, तभी से काफी परेशान थे।

प्रत्याशियों को लाइन में लगाकर दिया गया नामांकन पत्र, सैकड़ों की संख्या में प्रत्याशी जुटे

• नामांकन पत्रों की बिक्री के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में निकाय चुनाव के नामांकन को लेकर आज दूसरा दिन है। नगर निगम मुख्यालय के पीछे बने प्रमिला सभागार से नामांकन पत्रों की बिक्री की जा रही है।मंगलवार को दूसरे दिन भी नामांकन पत्र खरीदने के लिए सैकड़ों की संख्या में प्रत्याशी जुटे हैं। प्रत्याशियों को लाइन में लगकर फॉर्म दिए जा रहे हैं। वहीं कई प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल करने के लिए भी पहुंचने लगे हैं।

मंगलवार सुबह 11 बजे से नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हुई। नामांकन पत्रों की बिक्री के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है। हर काउंटर पर सुरक्षाबल लाइन लगवा कर ही फॉर्म की बिक्री करा रहे हैं। हालांकि पहले दिन के मुकाबले भीड़ कम है। दोपहर 3 बजे तक नामांकन पत्रों की बिक्री की जाएगी। नामांकन के पहले दिन सोमवार को पत्र की बिक्री को लेकर काफी अव्यवस्थाएं फैली हुईं थीं। कई बार चुनाव कर्मियों और पार्षद प्रत्याशियों के बीच तीखी नोंकझोंक भी हुई। पुलिस बल को भी हस्तक्षेप करना पड़ा था।नामांकन बिक्री के लिए कुल 9 टेबल लगाई गई हैं। जिसमें 6 टेबल पार्षद,2 बिठूर नगर पंचायत और 1 टेबल महापौर के नामांकन पत्र बिक्री के लिए लगाई गई हैं। सबसे ज्यादा भीड़ पार्षद प्रत्याशियों के लिए बनाए गए काउंटर पर हैं। हर एक काउंटर पर 20-20 वार्ड के लिए नामांकन पत्र की बिक्री की जा रही है। बीती सोमवार को पहले दिन कुल 928 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई थी। इसमें 8 मेयर पद, पार्षद पद के लिए 782 और पंचायतों के 166 नामांकन पत्र बिके थे।

स्कूल के कंप्यूटर लैब में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। किदवई नगर स्थित यूपी किराना स्कूल के कंप्यूटर लैब में शॉर्ट सर्किट से मंगलवार सुबह आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी लैब को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान स्कूल में बच्चों की एंट्री हो रही थी। आग की लपटें और धुआं देखकर सभी बच्चों को बाहर निकाल दिया गया। इसके साथ ही बच्चों की एंट्री बंद कर दी गई। स्कूल प्रबंधन ने पहले लैब के खिड़की के चौतरफा शीशे तोड़कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ ही देर में किदवई नगर फायर स्टेशन से दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब आधा घंटा की मशक्कत से आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया।

प्रयागराज के डॉक्टर ने अतीक के नाम पर धमकाया, मुकदमा दर्ज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सोमवार देर रात पोस्टमॉर्टम इंचार्ज को प्रयागराज के एक डॉक्टर (जेआर-3) द्वारा धमकाने का मामला सामने आया है। मामले में थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है। पूरे मामले में पुलिस ने नम्बर को ट्रेस करना शुरू कर दिया है। धमकाना वाला भी डॉक्टर बताया जा रहा है। मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस के इंचार्ज ने सीएमओ और डीएम से मिलकर पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धमकाने वाले ने कहा था कि मैं उस धरती हूं जहां अतीक जैसे भी नहीं बचे। जिस तरह उसकी हत्या हुई, तुम्हारी भी उसकी तरह हत्या कराऊंगा। 16 मिनट 32 सेकेंड की दो मोबाइल रिकॉर्डिंग में प्रयागराज के डॉक्टर ने 182 बार गाली दी हैं।प्रयागराज के जिस डॉक्टर पर आरोप लगे हैं उसकी रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इसके अलावा पूरी रिकॉर्डिंग में कई बार अपशब्दों का प्रयोग किया गया है। पोस्टमॉर्टम इंचार्ज डॉ. नवनीत चौधरी ने बताया कि उनके पास 14 अप्रैल को लगातार फोन आ रहा था। 15 अप्रैल को उन्होंने फोन पर बात की तो सामने वाले ने अपना नाम डॉ. आशीष सिंह (जेआर-3) फोरेंसिक मेडिसीन प्रयागराज मेडिकल कॉलेज बताया। उन्होंने अचलगंज उन्नाव निवासी पंकज यादव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मांगी।जिस पर डॉ. नवनीत ने पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचकर देने की बात कही, लेकिन बाद में असमर्थता जाहिर कर दी। इसके बाद डॉ. आशीष सिंह ने लगातार फोन किया। जिस पर डॉ. नवनीत चौधरी ने नम्बर ब्लॉक कर दिया। साथ ही सह प्राचार्य फोरेंसिक विभाग के डॉ. दिनेश सिंह से शिकायत की। डॉ. नवनीत का आरोप है कि इस पर डॉ. आशीष सिंह ने 17 अप्रैल को फार्मासिस्ट नवनीत कुमार को फोन करके डॉ. नवनीत के लिए बेतहाशा अपशब्दों का प्रयोग किया और अमर्यादित बात कही। रिकार्डिंग में डॉक्टर ने यह भी कहा कि इस धरती पर अतीक का एनकाउंटर हो गया तो यह क्या है। फोन पर डॉक्टर ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को भी धमकी दी है। कहा कि उनके भतीजे को अच्छे से जानता हूं। डिप्टी सीएम पाठक की पोस्टमॉर्टम की विजिट करवाऊंगा। अभी देखो मैं क्या कराता हूं।पूरे मामले में डीसीपी ने कहा कि रिपोर्ट दर्ज करके जांच की जा रही है। मामले में जानकारी हुई है कि विभागीय तकरार में भी कुछ लोग डॉक्टर से खुन्नस रखते है।

लू से बचाव हेतु जन सामान्य, पशुओं एवं फसलों हेतु एडवाइजरी जारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर।आईसीएआर अटारी जोन 3 कानपुर के वरिष्ठ शोध अध्येता डॉ रामनरेश ने वर्तमान में चल रही गर्म हवाओं से बचने व पशुओ तथा फसलों को बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की है।डॉक्टर रामनरेश ने सलाह दी है की तेज धूप में छतरी एवं चश्मा और ढीले कपड़े पहनकर ही बाहर निकले। साथ ही ज्यादा देर तक खाली पेट न रहे। प्रयास करें कि तेज धूप में बाहर न जाए। उन्होंने कहा कि थोड़ी-थोड़ी देर पर पानी अवश्य पीते रहे। उन्होंने पशुपालकों को सलाह दी है कि वे अपने पशुओं को छायादार स्थान पर रखें तथा हमेशा स्वच्छ पानी पिलाये। साथ ही पशुओं को दिन में कई बार नहलाएं। उन्होंने कहा कि पशुओं के लिए संतुलित आहार की व्यवस्था का ख्याल अवश्य रखें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है।

मेहनत की रकम वापस दिलाये जाने की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट थाना बिल्हौर अनेक गांव वालों ने समवेत स्वर में बिल्हौर के उप डाकघर के मोहल्ले महाराणा प्रताप नगर निवासी दम्पत्ति एजेंट राघवेंद्र दीक्षित व उनकी पत्नी लक्ष्मी दीक्षित ने मिलकर भोलेभाले गांववालों को सब्ज़बाग दिखाकर करोड़ों रुपए की ठगी कर ली। इन पीड़ितों के अनुसार इन दम्पति ने डाकघर में बीमा योजना, कन्या जमा योजना आदि के नाम पर लगभग सौ- दो सौ लोगों से करोड़ों रुपए लिए । परन्तु इसे डाकघर में जमा नहीं किया। न ही इसकी रसीद व पालिसी आदि दी, बस टरकाते रहे। कुछ पीड़ितों के नाम इस प्रकार हैं- सुधाकर निवासी पन्त नगर, ने 16 फरवरी 2018 को रू0 30,000 व 26/6/2019 को 19,000रु0 जमा किए।किसी को भी कोई प्रमाण , पासबुक आदि कुछ नहीं दिया। आज कल कर कर टालते रहे।सभी एजेंट

दम्पति की टाल मटोली से आज़िज़ आकर 12 अप्रैल, 2023 को थाना प्रभारी निरीक्षक, थाना बिल्हौर को शिकायत की, लेकिन पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की और अभियुक्तों को हर बार छोड़ते रहे, इससे इनके हौसले बुलंद हो गए। इन दोनों दम्पतियों ने पोस्टऑफिस कर्मचारियों से सांठगांठ करके कूटनीति से सभी गरीबों की रकम हड़प कर चुके हैं। पीड़ितों में प्रतिमा कटियार पत्नी अश्विनी कटियार, हरिओम, राजरानी पत्नी रामेश्वर, रमा कांति, सचिन अवस्थी, वीरेन्द्र शर्मा, सुधा शर्मा, लक्ष्मी कांत ,मंजू पत्नी राजेश, नरेश कुमार राठौड़, प्रतिमा देवी, गीता, संजय, सविता राठौड़, और न जाने कितनों को ठग कर करोड़ों की अवैध कमाई की गई। इतना ही नहीं अब हर किसी को धमकाया जा रहा है कि यदि तुम लोग शिकायत पोस्ट ऑफिस में या पुलिस में करोगे तुम सबके साथ क्या करूगा देखना। तुम्हारे बच्चों को रास्ते से उठवा लूँगा।जो आगे आएगा अपनी जान से हाथ धो बैठेगा। पुलिस मेरी मुट्ठी में है वह कुछ नहीं बोलेगी। तुम सब मरोगे।

सभी पीड़ितों की मीडिया के माध्यम से शासन-प्रशासन से विनम्र निवेदन है कि हम गरीबों की मेहनत की रकम वापस दिलाई जाय और ऐसे ठगों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाय।

गैंगस्टर के आरोपी हुआ गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सचेंडी पुलिस ने गैंगस्टर के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पिछले कई दिनों से वह पुलिस को चकमा देकर फरार था। एसीपी पनकी निशंका शर्मा ने बताया कि सटीक सूचना पर सचेंडी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के आरोपी रघुवीर को गिरफ्तार किया है। उसके ऊपर गैंगस्टर लगायी गयी थी। पूर्व में उसके ऊपर कई मुकदमें दर्ज है। इसी प्रकार कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के अफसरों के निर्देश पर समाज में भय उत्पन्न करने वाले दो बदमाशों को तड़ीपार किया गया है। नौबस्ता पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई की।

लोडर ने ई रिक्शा मे मारी टक्कर, तीन लोग घायल

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। क्षेत्र के परास बम्बी के पास अनियंत्रित लोडर ने ई रिक्शा मे टक्कर मार दी. हादसे मे ई रिक्शा सवार तीन लोग गभीर रूप से घायल हो गए. रहागिरो की सूचना पर पहुंची घाटमपुर पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस की मदद से घाटमपुर सीएचसी पहुँचाया जहाँ से प्राथमिक उपचार कर तीनो को गंभीर हालत मे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया. जहां तीनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घाटमपुर थाना क्षेत्र के बम्होरा गावं विनोद कुमार भगवती, सानू सचान, भैरमपुर गांव निवासी रेखा सचान, गोपाल ई रिक्शा मे सवार होकर नौरंगा से घाटमपुर नगर आ रहे थे, तभी घाटमपुर थाना क्षेत्र के परास मोड़ के पास स्थित बम्बी पर पहुँचते ही पीछे की ओर से आ रहे तेज रफ्तार लोडर ने टक्कर मार दी। हादसे मे ई रिक्शा सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। रहागीरो ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते मौक़े पर पहुंची घाटमपुर पुलिस ने घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया जहाँ से तीनों को प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत मे तीनों को कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहाँ तीनों की हालत चिंतजानक बताई जा रही है। मामले मे घाटमपुर थानाध्यक्ष अशोक कुमार दुबे ने बताया की जानकारी मिली थी, घायलों को अस्पताल पहुँचाया है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कपास बहु उपयोगी के साथ नकदी फसल : डॉ.जगदीश कुमार

बीपीएस न्यूज

कानपुर।सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में कपास अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर जगदीश कुमार ने बताया कि कपास नकदी फसल है। कपास के रेशे से कंबल, दरियां, फर्श आदि के निर्माण में उपयोग किया जाता है।

तथा उन्होंने बताया कि कपास के रेशों से सूती वस्त्र, मेडिकल कार्य हेतु प्रयोग तथा होजरी के सामान का निर्माण किया जाता है। उन्होंने बताया कि कपास से निकलने वाले बिनौलो से पशुओं का आहार भी तैयार किया जाता है। डॉक्टर जगदीश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कपास का क्षेत्रफल लगभग 9000 हेक्टेयर है प्रदेश में वर्ष 2018-19 में रुई की उत्पादकता 2.5 से 3 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। डॉक्टर जगदीश ने बताया की वर्तमान में जल स्तर की कमी, कपास मूल्य वृद्धि, बेहतर सुरक्षा तकनीक एवं कपास -गेहूं फसल चक्र हेतु अधिक उत्पादन एवं अल्प अवधि की प्रजातियों का विकास कपास की खेती के लिए अनुकूल परिस्थितियां है।उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में किए गए परीक्षणों के अनुसार नई उत्पादन एवं फसल सुरक्षा तकनीक को अपनाकर औसत उपज लगभग 15 से 18 कुंतल प्रति हेक्टेयर प्राप्त कर 20 से 25 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है। डॉक्टर जगदीश ने बताया कि कपास की बुवाई का सर्वोत्तम समय 15 अप्रैल से 15 मई तक सर्वोत्तम रहता है।इसके लिए देसी प्रजातियां जैसे आरजे 08,एचडी 123, एचडी 324 तथा अमेरिकन प्रजातियां जैसे विकास, आर एस 810, आर एस 2013, एच एल 1556 प्रमुख है।उन्होंने बताया कि इसकी बुवाई कतारों से कतार 70 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे 30 सेंटीमीटर पर करते हैं। उन्होंने कपास उत्पादक किसान भाइयों को सलाह दी कि उर्वरक प्रयोग हेतु किसान भाई 120 किलो यूरिया तथा 65 किलोग्राम डीएपी का प्रयोग करें । डॉ कुमार ने बताया कि कपास की फसल में खरपतवार प्रबंधन बहुत जरूरी है इसके लिए किसान भाई खुरपी की सहायता से खरपतवार निकालने तथा घने पौधों का विरलीकरण कर दें। उन्होंने बताया कि वर्षा काल के समय खेत में पर्याप्त जल निकास की सुविधा हो जिससे वर्षा का पानी खेत में ठहरने न पाए। कलियां, फूल व गूलर बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। कपास की फसल में कीट प्रबंधन के बारे में बताया की गूलर भेदक की रोकथाम के लिए क्विनालफास 25 ईसी 2 लीटर दवा को 600 से 800 लीटर पानी में घोलकर दो-तीन सप्ताह के अंतराल पर तीन या चार बार छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया कि कपास की फसल में साकाडू झुलसा एवं अन्य परडी झुलसा बीमारी लगती है जिस की रोकथाम के लिए डेढ़ किलोग्राम ब्लाईटॉक्स 50त्र डब्ल्यूपी को कीटनाशक दवाइयों के साथ मिलाकर छिड़काव कर दें।

बसपा ने अर्चना निषाद को कानपुर महापौर का बनाया प्रत्याशी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बहन कुमारी मायावती ने पिछड़ी जाति से ताल्लुक रखने वाली अर्चना निषाद को कानपुर महानगर से महापौर प्रत्याशी बनाया है अर्चना निषाद बसपा कानपुर जिला महासचिव राम नारायण निषाद की पत्नी है राम नारायण निषाद वर्ष 91 से बहुजन समाज पार्टी में नगर अध्यक्ष मंडल कोऑर्डिनेटर वा जिले के कई पदो पर रहकर संगठन में काम किया है अर्चना ने साल 2017 में भी महापौर का प्रत्याशी का चुनाव लड़ी थी 2017 में सपा व बसपा के दोनों प्रत्याशी पिछड़ी जाति के थे पिछड़ी जाति के वोटों का ध्रुवीकरण होने से कारण भाजपा प्रत्याशी प्रमिला पांडे चुनाव जीत गई थी इस बार सपा से ब्राह्मण प्रत्याशी व कांग्रेस से ब्राह्मण प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं भाजपा से भी कोई ब्राह्मण समाज का प्रत्याशी उतारे जाने की पूरी संभावना है ब्राह्मण समाज के वोटों का अगर ध्रुवीकरण हुआ तो चुनाव में अर्चना निषाद को पूरा फायदा मिल सकता है अर्चना निषाद वर्तमान में एकलव्य जन कल्याण महासभा उत्तर प्रदेश की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष इस संगठन में निषाद कश्यप लोधी समाज के हजारों लोग जुड़े हैं ।

बंद पड़े मकान का ताला तोड़ ढाई लाख की चोरी

कानपुर। चोरों ने बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवर समेत करीब ढाई के लाख के माल पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद जब पीड़ित परिवार घर पहुंचा तो जानकारी हुई। जिसके बाद पीड़ित ने चकेरी थाने में चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है।चकेरी के चकेरी के जुगइया मोड़ पाल नगर निवासी राजेन्द्र कुमार ई रिक्शा चालक हैं। उनके अनुसार 10 अप्रैल को वह परिवार के साथ कानपुर देहात स्थित जलालपुर अपनी ससुराल गये थे। घर पर ताला लगा हुआ था। अगले दिन 11 अप्रैल को वह वापस लौटकर आये तो देखा कि कमरों का ताला टूटा पड़ा हुआ है। साथ ही सामान सामान भी बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। राजेन्द्र कुमार ने बताया कि चोर उनके घर के बगल में निर्माणाधीन मकान से छत से आये थे। चोरों ने घर में रखे नकदी व जेवरात समेत करीब ढाई लाख के माल पर हाथ साफ किया है।

इरफान केस में गवाहों से बहस जारी, होगी लगातार सुनवाई, विधायक की वीसी से हुई पेशी

कानपुर। सपा विधायक मामले में अब कोर्ट में लगातार सुनवाई शुरू हो गई है। जाजमऊ प्लॉट पर आगजनी मामले में मुख्य वादिनी नजीर फातिमा के बेटे शमसुल हसन की गवाही आज कराई जा रही है। नजीर की बेटी कनीज जेहरा की गवाही पर बहस पूरी हो गई है। सेशन कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है।जाजमऊ आगजनी मामले में गवाह कनीज जेहरा से जिरह पूरी हो गई है। महाराजगंज जेल से इरफान की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी हुई जबकि कानपुर जेल में बंद रिजवान, शरीफ, शौकत व इसराइल आटेवाला कोर्ट में पेश हुए। अभियोजन ने मामले में दूसरा गवाह कोर्ट में पेश किया।बता दें कि इससे पहले मंगलवार को शरीफ के अधिवक्ता चंद्रप्रकाश शर्मा और इसराइल आटे वाला के अधिवक्ता जमीर अंसारी ने कनीज से जिरह की लगभग दो घंटे में जिरह पूरी कर ली गई थी। कनीज से पूछने पर उसने कहा कि वह शरीफ और इसराइल को पहले से जानती है।इन लोगों को पहले भी इरफान और रिजवान के साथ देखा है। जबकि शरीफ व इसराइल के अधिवक्ता यह साबित करने की कोशिश कर रहे थे कि इरफान और रिजवान से दोनों के कोई व्यक्तिगत, पारिवारिक या व्यापारिक रिश्ते नहीं हैं।पुलिस रिपोर्ट या गवाह के बयान में पहले उनके नाम नहीं थे राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के कहने पर बाद में उनके नाम जोड़े गए।

ईद पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल मुस्तैद

कानपुर। बेकनगंज बाजार में ईद के त्योहार को लेकर बेकनगंज पुलिस मुस्तैद।सुरक्षा व्यवस्था के लिए के बेकनगंज इंस्पेक्टर अजय सिंह मय फोर्स के साथ के मुस्तैद नजर आ रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगो से भी जानकारी प्राप्त हुई है ईद पर लगने वाली बाज़ार में स्थानीय दबंग जगह घेर के बेचने का कार्य करते है। लेकिन इस बार ऐसा नही कर पाएंगे बेकनगंज पुलिस बाज़ार पर पल पल नज़र बनाये हुए है।अगर ऐसा करते कोई पाया गया तो बेकनगंज पुलिस तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करेगी जिसको लेकर बेकनगंज पुलिस बेहद सक्रिय नज़र आ आई ।

शहर काजी ने ईदगाह पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा

कानपुर। शहर काजी इमाम ईदगाह मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही के नेतृत्व में सुन्नी मरकाजी ईदगाह चांदमारी कैंट की कमेटी के लोगों के संग ईदगाह की तैयारियों को लेकर निरीक्षण किया इस मौके पर ईदगाह कमेटी की पूरी टीम मौजूद रही जिसमें बताया गया कि ईदगाह चांदमारी कैंट में ईद उल फितर की नमाज इंशा अल्लाह ठीक 8:30 बजे अदा की जाएगी जिसमें कमेटी के लोगों ने तमाम हजरात से यह अपील की है कि ईदगाह में आने वाले लोग अपने-अपने घरों से वजू वगैरह करके आए साथ ही बेहतर यह है कि जा नमाज चादर चटाई भी साथ लेकर आए जिससे ईदगाह में परंपरागत तरीके से नमाज अदा की जा सके कमेटी के लोगों ने यह भी बताया कि सभी कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों व जिला प्रशासन के साथ सभी मीटिंग है हो चुकी हैं जिसके बाद ईद का की साफ-सफाई रंगाई पुताई जारी है हर साल की तरह ईदगाह में ईद की नमाज शहर काजी कानपुर/ इमाम ईदगाह मौलाना मुफ्ती मोहम्मद साकिब अदीब मिस्बाही अदा कर आएंगे तैयारियों का जायजा लेने वालों में मुख्य रूप से शहर काजी कानपुर मुफ्ती साकिब मिस्बाही नायब शहर काजी कारी सगीर आलम हबीबी, महबूब आलम खान महामंत्री, फसी अनवर जनरल सेक्रेटरी, मोहम्मद हसीन, नूर मोहम्मद, सहित कमेटी के सारे लोग मौजूद रहे।

स्पेसएक्स के स्टारशिप रॉकेट में लॉन्चिंग के बाद विस्फोट

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दुनिया की दिग्गज अंतरिक्ष अन्वेषण कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट ने गुरुवार को अपनी पहली परीक्षण उड़ान भरी। हालांकि, लॉन्चिंग के बाद ही इसमें विस्फोट हो गया। दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट ने शाम करीब सात बजे टेक्सास के बोका चिका से उड़ान भरी थी। यह स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट था। इससे पहले 17 अप्रैल को भी इसे लॉन्च करने की कोशिश की गई थी। इसके बाद प्रेशर वाल्व के फ्रीज होने की वजह से इसे रोकना पड़ा था। मामले में स्पेसएक्स ने कहा कि आज हमने बहुत कुछ सीखा है। इससे हमें आगे सफलता मिलेगी। आज का टेस्ट हमें स्टारशिप की विश्वसनीयता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

ट्रेन में यात्रियों के सामान की चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन के आउटर से जीआरपी पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। ट्रेन के आउटर में गाड़ी धीमी होने पर गाड़ी में चढ़कर सामान चोरी करने की घटना को यह चोर अंजाम देते थे। चोरों के पास से चोरी का माल भी बरामद किया गया है।चोरी के माल में एक आर्मी के जवान की आईडी कार्ड भी बरामदगी की गई। जवान को आईडी वापस की गई है। इसके बाद आर्मी के जवान ने जीआरपी पुलिस का आभार व्यक्त किया है। चोरों ने पहले भी कई ट्रेनों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन के आउटर इलाके में मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे जीआरपी पुलिस टीम ने दो चोरों को गिरफ्तार किया। चोरों के पास से चोरी का माल बरामद हुआ है, जिसमें मोबाइल फोन, ज्वेलरी, आईडी कार्ड बरामद किए गए हैं। चोर आउटर इलाकों में ट्रेन के दिन में होने पर उसमें चढ़कर सो रहे यात्रियों के सामान को चोरी करने का काम करते थे। जीआरपी थाना प्रभारी रामकृष्ण द्विवेदी ने बताया कि चोरों ने पूछताछ में बताया है कि पहले भी कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।पकड़े गए दोनों ही चोर कानपुर के निवासी हैं। विष्णु शुक्ला के ऊपर पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बिहार के निवासी आर्मी के जवान के साथ भी 11 मार्च 2023 को चोरी की घटना गोविंदपुरी आउटर में हुई थी, जिसमें आर्मी जवान के आईडी कार्ड ,आधार कार्ड और कई दस्तावेज और सामान चोरी हुआ था। उसे भी बरामद किया गया। आर्मी के जवान राजेश मिश्रा के आई डी कार्ड को लौटा दिया गया है। आर्मी के जवान ने बताया कि आईडी कार्ड ना होने की वजह से वह ड्यूटी ज्वाइन नहीं कर पा रहा था। जीआरपी ने उसकी आईडी कार्ड को बरामद कर उसे वापस कर दिया है,जिसके लिए उसने जीआरपी पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

अलविदा जुमा और ईद की नमाज सड़क पर न हो : बजरंग दल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस कमिश्नर को एक ज्ञापन दिया।सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन कराया जाए।अलविदा जुमा और ईद की नमाज सड़क पर ना हो, इस मांग को लेकर बजरंग दल ने मांग की।बजरंग दल पदाधिकारियों ने कहा कि अगर सड़क पर नमाज हुई, तो वहीं पर बजरंग दल के कार्यकर्ता भारी संख्या में पहुंचकर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। बजरंग दल जिला संयोजक उत्तर कृष्णा तिवारी कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस कमिश्नरेट ऑफिस पहुंचे। उन्होंने कहा कि ज्ञापन के माध्यम से पुलिस कमिश्नर से मांग की है कि अलविदा जुमा और ईद की नमाज सड़क पर कहीं ना की जाए। इससे सड़क का यातायात प्रभावित होता है। आने जाने वाले लोगों को खासा दिक्कतों का सामना उठाना पड़ता है।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन कराना भी जरूरी है,कहीं पर भी सड़क पर नमाज ना होने दे। इसके लिए व्यवस्थाओं को और आदेशों को दुरुस्त कराया जाए। ज्वॉइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि जिस तरह से पिछले साल आदेशों का पालन कराया गया था, उसी तरह से मौजूदा साल भी सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों कापालन कराया जाएगा।उन्होंने यह भी बताया ईद की नमाज को लेकर मीटिंग की जा चुकी है। उसमें भी यह निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि इबादतगाहों के अंदर ही धार्मिक आयोजन किए जाएं। धार्मिक आयोजनों में अगर इबादतगाह के अंदर जगह नहीं है, तो उन्हें शिफ्ट में डिवाइड कर दिया जाए, लेकिन किसी नई परंपरा या किसी प्रकार का उल्लंघन कतई ना किया जाए ।

जीएसवीएम के ब्लड बैंक में खून की कमी

कानपुर। मौसम के बदलते हैं ब्लड बैंक में खून की कमी से जूझना पड़ रहा है। यूनिट- पोस्टिव ब्लड ही बचा है,ब्लड की कमी से ब्लड बैंक की ब्लड के लिए तरस रहा है, थैलेसीमिया के मरीजों को ब्लड फ्री में दिया जाता है जो हर महीने 50 से ज्यादा होता है सभी ग्रुप मिला कर ब्लड बैंक में 278 यूनिट ब्लड बचा है, थैलेसीमिया के मरीजों को कहा से ब्लड उपलब्ध कराया जाएगा ,सबसे ज्यादा हैलट के जच्चा बच्चा हॉस्पिटल एनेमिक महिलाओं में होने वाली दिक्कत पर ब्लड की जरूरत होती है, एक्सीडेंट में घायल मरीजों को तत्काल ब्लड की आवश्यकता होती है इन परिस्थितियों में ब्लड बैंक में ब्लड ही नहीं तो मरीजों की जान कहां से बचेगी , प्राइवेट ब्लड बैंक में तीमारदारों को 4 हजार से 5 हजार रुपए में प्रति यूनिट खरीदने में मजबूर हैं, हैलट हॉस्पिटल के ब्लड बैंक के नोडल अधिकारी डॉ मनीष यादव ने बताया गर्मियों में कैंप कम लगते हैं जिसे कैंप के माध्यम से और जन जागरूकता के माध्यम से इस कमी को पूरा किया जाएगा। जल्द ही सभी ग्रुप का ब्लड उपलब्ध होगा।

रेलवे अस्पताल ने सर्जरी कर रिकार्ड कीर्तिमान स्थापित किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रेलवे अस्पताल के सर्जरी विभाग ने प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डा. जे पी रावत ने दूरदर्शिता एवं मार्गदर्शन में एक बहुत बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 का सर्जरी विभाग में एक डाटा प्रस्तुत किया है। जिसके अनुसार कुल 932 आपरेशन किये गये जिसमें 346 मेजर एवं 10 स्पेशल आपरेशन शामिल है, आज तक किसी एक सर्जन के द्वारा किसी भी एक वित्तीय वर्ष में किये गये आपरेशनों का रिकार्ड है। यह रिकार्ड डा. संजय कुमार वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी द्वारा मनाया गया। वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल रु. 78,81,950 की केवल मेजर और स्पेशल सर्जरी की गयी (इसमें माइजर सर्जरी का मूल्य शामिल नहीं है) और वित्तीय वर्ष में रु. 4,20,446 की नॉन रेलवे मरीजों की भी सर्जरी की गयी इस तरह रेलवे का रु. 83,02,396 की राजस्व की बचत की गयी यह कीर्तिमान स्थापित करने में बेहोशी चिकित्सक डा. आलोक कुमार यादव, डा. प्रीति एवं डा. उसैद का विशेष योगदान रहा तथा ओ टी मैट्रन रुथ सिंह, मंजू सोनकर एवं समस्त ओटी टीम के सम्पूर्ण समर्पण के कारण यह सम्भव हो सका। डा. संजय ने चिकित्सा निदेशक डा. एस के हाण्डु एवं अपने गुरु डा. शबी अहमद का विशेष आभार व्यक्त किया।

प्रत्याशी कर रहे चुनाव नियमों का उल्लंघन

उन्नाव। शुक्लागंज, निर्वाचन आयोग के सख्त निर्देश के बाद भी प्रत्याशी जानबूझ कर नियमों को तोड़ रहे हैं। जैसे-जैसे निकाय चुनाव नजदीक आ रहा है प्रत्याशी वोटरों को लुभाने के लिए तरह तरह के पैतरे आजमा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक इसी कड़ी में नगर के मोहल्ला अंबिकापुरम में एक प्रत्याशी ने मतदाताओं को लुभाने के लिए एक गली में मिट्टी का भरान कराया है। जबकि निर्वाचन आयोग के निर्देश चुनाव नियमो सख्त पालन किया जाये। फिर भी कुछ तथाकथित प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने के लिए नियमों का उलंघन कर रहे है।

युवक का कान काटने वाला अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

उन्नाव। शुक्लागंज,पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा के आदेश एवं अपर पुलिस अधीक्षक शाशी शेखर एवं क्षेत्राधिकारी नगर आशुतोष कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे गंगाघाट पुलिस द्वारा युवक के कान को काटने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। बीते सोमवार को रवि निषाद पुत्र राकेश निषाद नि0 धोबिन ने तहरीरी सूचना दी गई कि रोहित साहू पुत्र स्व0 जगदेव प्रसाद नि0 मिश्रा कॉलोनी के ढाबे मे काम करने वाले दिनेश कुमार पुत्र हरिशंकर नि0 सेमरा जैतीपुर से सीट पर बैठने के विवाद को लेकर मेरे साथ मारपीट की तथा दांत से उसके कान को काट लिया। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना गंगाघाट पर पंजीकृत किया गया था। वही गुरुवार को मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त दिनेश कुमार पुत्र स्व0 हरिशंकर निवासी ग्राम सेमरन सोहरामऊ को गंगाघाट रेलवे क्रासिंग के पास से पुलिस फोर्स द्वारा गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे उ0नि0 रणजीत सिह, हे0का0 रविशंकर शर्मा रहे।

फेसबुक पर मिली गर्लफ्रेंड, शादी का झांसा देकर किया धोखा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सोशल मीडिया पर दोस्ती, प्यार का इजहार और धोखा का खेल सामने आया है। फेसबुक के जरिए एक कल्याणपुर युवक पुखराज तिवारी ने गुजैनी निवासी युवती से दोस्ती की। कुछ दिन बातचीत के बाद उससे प्यार का इजहार किया, फिर उसका विश्वास जीता और मिलने के लिए कल्याणपुर के पास स्थित एक होटल में बुलाया। युवती ने शादी करने के लिए कहा तो आरोपी उसके परिजन को जान से मारने की धमकी देने लगा। होटल के कमरे में युवती के साथ जबरदस्ती की। वह नाराज हुई, लेकिन युवक उसे अपनी प्यार भरी बातों में उलझाए रखा और मनमानी की। इस दौरान उसने अपने मोबाइल से वीडियो भी बनाया। इस घटना से आहत युवती ने प्रेमी से दूरी बनाई। जिसके बाद उस युवक असली चेहरा सामने आ गया। आरोप है कि वो वीडियो और तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। अक्सर मिलने के लिए बुलाने लगा। लोकलाज के कारण युवती इस मामले को छुपाती रही। इसके बाद से वह कल्याणपुर युवक पुखराज तिवारी उसे लगातार धमकी देकर प्रताड़ित करता रहा और उसे अपने पास बुलाता रहा। कई दिनों से प्रताड़ना से तंग युवती ने हिम्मत दिखाई और आपबीती परिजनों को बताई। जिसके बाद परिजनों के पैरों तले से जमीन खिसक गई। उन्होंने गुजैनी थाने में तहरीर दी। गुजैनी पुलिस ने आरोपी कल्याणपुर युवक पुखराज तिवारी के खिलाफ छेड़खानी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बकौल पीड़िता उसे युवक द्वारा काफी दिनों से परेशान किया जा रहा है।

प्रेरणात्मक व्याख्यान लक्ष्य प्राप्त करने के लिए दिए टिप्स

कानपुर।सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में छात्र छात्राओं के ज्ञानार्जन हेतु डीन फैकल्टी हाल में प्रेरणात्मक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र सौमित्र धर आईपीएस रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्या ने की । एलुमनाई एसोसिएशन के महासचिव डॉक्टर मुनीष कुमार गंगवार द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्री सौमित्र धर ने छात्र छात्राओं को जीवन में अपने लक्ष्य को पूरा करने हेतु कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच एवं पूर्ण निष्ठा के साथ अध्ययन करने के बारे में सलाह दी। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए टिप्स भी दिए। उन्होंने अपने से बड़ों का सम्मान तथा जीवन में मिशन एवं विजन बनाकर परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में बताया। श्री धर ने छात्र छात्राओं को सिविल सर्विसेज की परीक्षाओं की तैयारी करने के विषय पर भी प्रकाश डाला। तथा पुलिस प्रशासन द्वारा समय-समय पर उठाए गए निर्णय के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरणा देते हुए बताया कि जीवन में सच्चाई एवं ईमानदारी से काम करने पर सच्चे नागरिक का दायित्व है। इस अवसर पर बकेवर जनता कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने छात्र एवं छात्राओं को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने पर बल दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

एडीजी जोन ने गोष्ठी कर दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर, । आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा यू0पी0-112 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानपुर जोन के समस्त परिक्षेत्रीय/जनपद प्रभारियों के साथ कानून-व्यवस्था,अपराध स्थिति की समीक्षा,नगर निकाय चुनाव,अगामी त्यौहार एवं यातायात व्यवस्था आदि अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में गोष्ठी कर दिशा-निर्देश दिये गए।

मृदा परीक्षण जन जागरूकता अभियान किया गया शुरू

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज से एक माह के लिए जनपद में मृदा परीक्षण जन जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया। इस अभियान की आज गांव मुरीदपुर से शुरुआत की गई। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को बताया कि मृदा उर्वरता प्रबंधन के लिए मृदा परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। डॉक्टर खान ने किसानों को मृदा नमूना एकत्रित करने की विधियां,खेत से मृदा नमूना लेने की तकनीकी, विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व एवं मिट्टी परीक्षण तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर किसानों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि मृदा परीक्षण जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम कृषि लागत,टिकाऊ खेती, आजीविका सुरक्षा एवं गुणवत्ता युक्त उपज के लिए मिट्टी को समृद्ध और संरक्षित करने पर किसानों को जागरूक करना है। जागरूकता अभियान के दौरान पूरे गांव में एक रैली का आयोजन भी किया गया।इस अवसर पर लोग महान है मिट्टी जांच कराने की सोच, फिर आगे आने में कैसा संकोच जैसे नारे भी लगा रहे थे।इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ.शशि विनोद कुमार,धर्मवीर सिंह एवं धीरेंद्र सिंह सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

आनलाइन ओला कैब बुकिंग में किया जा रहा है फ्रॉड

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ओला में बैठना है तो सर्तक हो जाएग कही ऐसा न हो कि आप किसी बडी घटना के शिकार हो जाए। क्यों कि ओला जैसी बडी ट्रैवल्स कम्पनियों में भी आन लाइन फ्राड तेजी से किया जा रहा है। ऐसा ही एक मामला भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) के सदस्य श्याम सिंह पंवार के साथ हुआ। जहां ओला कंपनी में गाडी बुक करने के बाद दूसरी गाडी आती है और वह उनको ले जाती है और जब गाडी को देखा जाता है तो वह गाडी बुक वाली न हो कर दूसरी निकलती है जिससे साफ है कि किस तरह से ओला कम्पनी द्वारा फ्रॉड किया जा रहा है। पीसीआई सदस्य ने बताया कि उन्होंने यात्रा हेतु ओलाएप्प द्वारा टैक्सी की ऑनलाइन बुकिंग की जो कि चकेरी से वरुण विहार तक 22 मिनट में पहुंचा दिया। जिस पर शक होने पर उन्होंने गाड़ी का वीडियो बनाना चाहा तो गाडी के ड्राइवर ने उन पर कार चढ़ाने का प्रयास किया और भागने लगा तभी राहगीरो की मदद से उसे दबोच लिया और पुलिस के सुर्पुद कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीसीआई के सदस्य श्याम पंवार सिंह ने बताया कि वह मुम्बई से कानपुर चकेरी एयरपोर्ट पहुंचे और उन्होंने आन लाइन ओला कैब को बुक किया। बुकिंग करने पर उनके मोबाइल फोन पर टैक्सी का नम्बर यूपी 78 एफएन 5980 और ड्राइवर का मोबाइल नम्बर आया। जब गाड़ी पहुंची तो वह उसमे बैठे तो ड्राइवर विजय का आव भाव बदल गया और उसने तेजी से कार चलाते हुए 22 मिनट में ही वरूण बिहार पहुंच गया। उसके इस तरह के बरताव और गाडी को तेज चलाने को लेकर जब उनको संदेह हुआ तो उन्होंने गाडी के ड्राइवर से धीरे चलने को कहा जिस पर उसने कोई जवाब नही दिया। गाडी जब अपने गंतव्य पहुंची तो उन्होंने पाया कि गाडी का नम्बर बदला हुआ है और उसका नम्बर यूपी 74 टी 5446 है जिस पर उन्होंने गाड़ी का वीडियो बनाना चाहा तो ड्राइवर मो0 अख्तर ने उन पर गाडी चढ़ाने का प्रयास कर भागने की कोशिश की ,लेकिन राहगीरो की मदद से उसे पकड कर गुजैनी थाने पहुंचा दिया गया। 24 घंटे बीत जाने के बाद भी जब मुकदमा नही लिखा गया तो पत्रकारो ने गुजैनी थाने पहुंच कर मुकदमा दर्ज करने की मांग की जिस पर पुलिस ने ओला के फील्ड सुपरवाइज मो0 अख्तर को बलाया।मामले की जानकारी की जा रही है। इस तरह तो कोई भी घटना किसी के साथ हो सकती है। मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया गया है और मामले की गम्भीरता से जांच की जा रही है जल्द ही फर्जीवाडा और बुक वाहन को पकड लिया जाएगा।

किस महीने कितने कैंसर मरीज आए

जुलाई- 85- पुरुष-40 महिलाएं-45
अगस्त- 74- पुरुष-38 महिलाएं-37
सितंबर- 67- पुरुष-32 महिलाएं-35

डेंगू-मलेरिया के मच्छर रहेंगे दूर

बस इस तरह इस्तेमाल करें ये 5 एसेंशियल ऑयल

लेकिन ये सभी प्रोडज़्ट्स सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसे में आइए जान लेते हैं कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल के बारे में , जिनकी मदद से आप खुद को मच्छरों से बिना किसी साइड इफेज़्ट्स के दूर रख सकते हैं।

समय रहते अगर मच्छरों से बचाव न किया जाए तो ये कई गंभीर बीमारियों जैसे डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया का खतरा बढ़ा देते हैं। यूं तो मच्छरों को घर से दूर रखने के लिए बाजार में कई तरह के एंटी-मॉस्कीटो कॉइल्स सहित कई तरह के प्रोडक्ट्स मौजूद हैं। लेकिन ये सभी प्रोडक्ट्स सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसे में आइए जान लेते हैं कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल के बारे में , जिनकी मदद से आप खुद को मच्छरों से बिना किसी साइड इफेक्ट्स के दूर रख सकते हैं।

तुलसी का तेल-तुलसी का तेल मच्छरों को भगाने के लिए बेहद प्रभावी उपाय है। इसमें कीट-प्रतिरोधक क्षमता होती है जिसके इस्तेमाल के बाद मच्छर आपसे दूर रहते हैं।

लेमनग्रास ऑयल- मच्छर भगाने के लिए लेमनग्रास ऑयल का इस्तेमाल लंबे समय से किया जाता रहा है। इसका इस्तेमाल करने पर कुछ घंटों तक मच्छर आपसे दूर रहते हैं।

लैवंडर ऑयल- मच्छर दूर रखने के लिए लैवंडर ऑयल को अपनी त्वचा पर लगाकर आराम से सैर या सोने के लिए जा सकते हैं। आपको मच्छर नहीं काटेंगे साथ ही इसकी खुशबू आपके मन को भी शांत करेगी।

पुदीना स्प्रे-मच्छरों को भगाने के लिए नारियल के तेल में पुदीना मिलाकर एक स्प्रे बोटल में भर लें। पुदीने का तेल मच्छरों को भगाने में बेहद असरदार साबित होता है।

नीलगिरी का तेल-मच्छरों को भगाने के लिए नींबू और नीलगिरी के तेल को बराबर मात्रा में मिलाएं। इसके अलावा इस तेल में जैतून, नार?यिल, ऐवोकाडो का तेल मिलाकर इसे एक स्प्रे वाली शीशी में भरकर रख लें। अब इसे अपने ऊपर स्प्रे कर लें ताकि मच्छर आपसे दूर रहें।

लंबे समय तक भूखे रहने से होने वाली एसिडिटी से बढ़ रहा कैंसर का खतरा

खाली पेट रहने वाली महिलाओं को एसिडिटी से पेट में अमाशय का कैंसर हो रहा है। एसकेएमसीएच स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल में हर महीने 50 से 60 पेट के कैंसर के मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इसकी पुष्टि अस्पताल की सहायक अधीक्षक डॉ. तुलिका ने की। बताया कि जुलाई से सितंबर तक कैंसर अस्पताल में 226 पेट के कैंसर के मरीज पहुंच चुके हैं, जिनमें 116 महिलाएं हैं।

कैंसर अस्पताल के प्रभारी डॉ. रविकांत सिंह ने बताया कि अस्पताल में पेट के कैंसर के मरीजों का ऑपरेशन भी किया जा रहा है। कई मरीजों की कीमोथेरेपी भी चल रही है। अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि लंबे समय एसिडिटी के कारण पेट में कैंसर मिल रहा है।

30 से 40 वर्ष के लोग हो रहे शिकार -

होमी भाभा कैंसर अस्पताल में कैंसर विशेषज्ञ डॉ. शांतनु पवार ने बताया कि अमाशय कैंसर के शिकार 30 से 40 वर्ष के युवा हो रहे हैं। इसका कारण उनकी जीवनशैली की अनियमितता और खानपान है। महिलाएं घर के कामकाज में अधिक समय तक खाली पेट रहती हैं, इसलिए उनके पेट में एसिडिटी बनती है। इससे महिलाएं ज्यादा इस बीमारी की शिकार हो रही हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी से अक्टूबर तक पेट के कैंसर के 10 ऑपरेशन हमलोग कर चुके हैं। एसिडिटी से कैंसर होने वाले हर महीने करीब आठ मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं।

एसिडिटी से कैसे होता है कैंसर -

डॉ. शांतनु ने बताया कि लंबे समय तक पेट में एसिडिटी बनने से पेट के अंदर एचपाइलोरी इंफेक्शन होता है। यह डीएनए को डैमेज करता है। यही इंफेक्शन आगे जाकर पेट में कैंसर बनाने लगता है। एसिडिटी के कारण एसिड डिस्बैलेंस हो जाता है। एसिडिटी के कारण अमाशय के बेस का तालमेल गड़बड़ हो जाता है, जिससे वहां कैंसर पनपने लगता है। लंबे समय की एसिडिटी से पेट में म्यूकस और डीएनए रीपेयर नहीं हो पाता है। डॉ. पवार ने बताया कि पेट में एसिडिटी बन रही है तो मरीज जाकर डॉक्टर से अपनी जांच कराएं। इसके लिए इंडोस्कोपी कराई जाती है। इंडोस्कोपी से पेट में इंफेक्शन का पता चलता है। उन्होंने बताया कि पेट के कैंसर के इलाज में ज्यादातर मरीज कीमोथेरेपी से ठीक हो रहे हैं।

केमिकल वाले अचार बड़ा कारण -

कैंसर अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि पेट में एसिडिटी बनने और फिर कैंसर में बदलने में केमिकल युक्त खाना बड़ा कारण है। डॉक्टरों ने बताया कि बाजार में आज कई केमिकल वाले अचार मिलते हैं, इसे खाने के बाद पेट में एसिडिटी बनने लगती है। शराब से भी दूर रहना जरूरी है।

बच्चों की ओरल हेल्थ का ख्याल रखने के लिए हर पेरेंट को पता होनी चाहिए ये बातें

हर पेरेंट बच्चों का ध्यान रखते हैं लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि उनके खाने-पीने और पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान देते-देते हम कई छोटी-छोटी चीजें भूल जाते हैं। असल में ये बातें उनकी हेल्थ से जुड़ी होती हैं। ओरल हेल्थ भी एक ऐसा ही टॉपिक है, जो बच्चों की ओवर हेल्थ से जुड़ा होता है। इसके बारे में हर पेरेंट को पता होना चाहिए और बच्चों की ओरल हेल्थ का ज़्याल रखने की जिम्मेदारी पेरेंट की होती है। ऐसे में आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सुबह उठते ही ब्रश करना

अपने बच्चों को सिखाएं कि उन्हें उठने के बाद फ्रेश होना है और ब्रश करना बहुत जरूरी है। बिना ब्रश किए बच्चों को कुछ भी खाने के लिए न दें। बिना ब्रश किए खाना खाने से उनकी ओरल हेल्थ खराब होती है।

रात में ब्रश करके सोना

सुबह उठने पर ब्रश करना बहुत जरूरी है। इससे अलावा अपने बच्चों को कहें कि रात को खाना खाने के बाद ब्रश करके सोना चाहिए। इससे बच्चों की ओरल हेल्थ ठीक रहेगी और उनके दांत भी मजबूत होंगे।

बच्चों को ज्यादा पानी पिलाएं

बड़ों की तरह बच्चों का पानी पीना भी बहुत जरूरी है इसलिए बच्चों को पानी पीने की आदत डालें। पानी पीने से बच्चों का डाइजेशन बेहतर होता है। पेट सही रहने से बच्चों की ओरल हेल्थ भी अच्छी रहेगी।

चॉकलेट और शुगर का कम इस्तेमाल

बच्चों को ऐसी चीजें न खाने दें, जिनसे कि उनकी ओरल हेल्थ खराब हो। चॉकलेट, शुगर, कैंडी से परहेज करने को कहें। बच्चों को ज्यादा फ्राइड फूड भी नहीं देना चाहिए। इससे बच्चों के दांत खराब होते हैं।

हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी

आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं कीहार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

खाने का स्वाद बढ़ाना हो या खुशबू, कसूरी मेथी का इस्तेमाल हर रसोई में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कसूरी मेथी न सिर्फ खाने का स्वाद अच्छा करती है बल्कि सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को भी ठीक करने में मदद करती हैं। आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की कौन सी 5 समस्याएं दूर होती हैं।

प्रेग्नेंसी के बाद भी फायदेमंद-

ऐसी महिलाएं जो बच्चों को स्तनपान करवाती हैं उन्हें कसूरी मेथी का सेवन जरूर करना चाहिए। कसूरी मेथी में पाए जाने वाले तत्व ब्रेस्ट मिल्क को बढ़ाने में मदद करते हैं।

एनीमिया से करें बचाव-

भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं। ऐसी महिलाओं के लिए कसूरी मेथी का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। कसूरी मेथी में काफी मात्रा में आयरन मौजूद होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। शरीर में खून की कमी होने पर अपनी डाइट में कसूरी मेथी को जरूर शामिल करें।

इंफेक्शन से करें बचाव-

पेट के इंफेक्शन से बचाव करने के साथ कसूरी मेथी का सेवन हार्ट, गैस्ट्रिक और आंतों की समस?याएं को भी दूर रखने में मदद करता है। अगर किसी महिला को पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो वो कसूरी मेथी की पत्तियों को सुखाकर उसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में नींबू की कुछ बूंदें डालकर इसे उबले हुए पानी के साथ लें।

हार्मोनल बदलाव करे ठीक-

महिलाओं की बॉडी में जीवनभर हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं। जिसके पीछे पीरियड्स, गर्भावस्था, मेनोपॉज आदि कारण जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में कसूरी मेथी का सेवन हार्मोनल बदलाव को कंट्रोल करके उससे होने वाली परेशानियों को कम करने में मदद करता है।

डायबिटीज करें कंट्रोल-

खानपान में गड़बड़ी का सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ने लगता है। इसे नियंत्रित करने के लिए मेथी का प्रयोग करें। मेथी में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, जो ब?लड ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करते हैं। यह टाइप-2 डायबिटीज होने की संभावना को भी कम करता है।

बड़ों की बातें छुपकर सुनने वाले बच्चों को क्यों नहीं करना चाहिए एंटरटेंन

कई पेरेंट की आदत होती है कि वे किसी की बातें सुनने के लिए बच्चों को भेज देते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करके वे अपनी सावधानी रख रहे हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि पेरेंट की इस आदत की वजह बच्चे को कम उम्र से ही फालतू बातों और गॉसिप करने की आदत लग जाती हैं। फिर वह अपने जरूरी काम छोड़कर लोगों की बातों को सुनना ही अपना पहला काम मानने लगता है। आइए, जानते हैं कि जब आप बच्चों की इस आदत को एंटरटेंन करते हैं, तो इसका उन पर क्या असर पड़ता है? आपक बच्चा अगर दूसरों की बात बताता है और आप उसकी बातों को सुनकर उसे डांटने की बजाय एंटरटेंन करने लगते हैं, तो बच्चे को लगता है कि इस बात से वह अपने पेरेंट को खुश कर सकता है। ऐसे में बच्चा बार-बार ऐसा करता है।

बच्चे को लगता है कि यह दुनिया का सबसे आसान काम है और वह इसे बड़ी आसानी से कर सकता है। ऐसे में वह किसी भी बात की परवाह किए बिना मुश्किल में पड़कर भी लोगों की बातें सुनने लगता है। जैसे, बातें सुनने के लिए बच्चा पूरे दिन खड़ा भी रह सकता है। बच्चे का ध्यान पढ़ाई पर नहीं लगता। उसे लगता है कि पढ़ाई से ज्यादा आसान काम बातों को सुनना है। इस कारण से वह सुनी हुई बातों को मन ही मन सोचने लग जाता है और उसका फोकस पढ़ाई पर से हट जाता है।

गॉसिप का कोई मकसद नहीं होता। कई लोग बस पल दो पल के मजे के लिए ऐसा करते हैं, तो कुछ लोग टाइम पास करने के लिए दूसरों की लाइफ में झांकते हैं। बच्चे भी अगर यह आदत पकड़ लेते हैं, तो उनका व्यक्तित्व और मेंटल हेल्थ दोनों खराब होती है।

व्यस्कों को ही नहीं छोटे बच्चों को भी होती है स्लीप डिसऑर्डर की समस्या

आपने आजतक व्यस्कों के बीच स्लीप डिसऑर्डर के कई किस्से सुने होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं अनिद्रा की समस्या सिर्फ बड़े लोगों को ही नहीं बल्कि बच्चों को भी परेशान करती है। बच्चों में नींद न आने की समस्या 6 महीने से किशोरावस्था तक हो सकती है। हालांकि बच्चों में इस समस्या का पता लगाना थोड़ा मुश्किल होता है। लेकिन नींद न आने की वजह से चिड़चिड़ापन, गुस्सा आना, खाना ठीक से न खाना, पेट संबंधित समस्याएं, सुस्ती जैसी प्रॉब्लम बच्चों के बीच आम हो जाती है। आइए जानते हैं बच्चों में स्लीप डिसऑर्डर होने पर दिखाई देते हैं कौन से लक्षण और क्या है इससे बचाव के उपाय। -कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक जैसी चीजों में कैफीन की मात्रा बहुत ज्यादा पाई जाती है। अगर छोटा बच्चा इसका सेवन करता है तो नींद न आने की समस्या हो सकती है।

-कई बार आसपास के वातावरण गर्मी या सर्दी के कारण भी बच्चों को नींद न आने की समस्या हो सकती है। बच्चों को सुलाते वक्त ध्यान दें कि आसपास बिल्कुल शांत माहौल हो। जिस कमरे में बच्चा सो रहा है वहां का तापमान सामान्य हों।

बच्चों में स्लीप डिसऑर्डर होने पर दिखाई देते हैं ये लक्षण -

- देर रात सोना और सुबह जल्दी उठ जाना।
- रात में बार-बार नींद से जगाना और फिर दोबारा सोने में परेशानी महसूस करना।

दिन के समय में 10 से 15 मिनट की कई झपकियां लेना।

- खेलने-कूदने की जगह शांत बैठे रहना। नियमित तौर पर खाने की खुराक का कम होना।
- हर समय सुस्ती महसूस होना।
- छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना और चिड़चिड़ापन महसूस होना।

बच्चों को नींद न आने का कारण -

- कई बार नींद न आने की समस्या बुरे सपने के कारण हो सकती है। इससे बचने के लिए सोने से पहले या पूरा दिन आपका बच्चा मोबाइल और टीवी पर क्या देख रहा है इस पर ध्यान दें।

शिशु की मजबूत हड्डियों के लिए इन 5 तेलों से करें मालिश

शिशु को एक्टिव बनाए रखने के साथ मजबूत हड्डियों के लिए भी मालिश बेहद जरूरी है। आजकल बाजार में शिशु की मालिश के लिए कई तरह के तेल उपलब्ध हैं।

जिसमें से कई तो केमिकल्स और टॉक्सिन्स से भरे हुए होते हैं। ये तेल बच्चे की स्किन को नुकसान पहुंचा सकते है।

बादाम का तेल-शिशु की मालिश नियमित रूप से इस तेल से करने से उसकी रंगत में सुधार होता है और बाल भी काले और घने आते हैं। बादाम के तेल में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई पाया जाता है, जो शिशु की हड्डियों को मजबूती देने के साथ मांसपेशियों को भी मजबूत बनाता है।

नारियल तेल-नारियल तेल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं, जो शिशु के शरीर के दर्द और अकड़न को दूर करने के साथ त्वचा को पोषण भी देते हैं। ये तेल इस्तेमाल करने से शिशु के शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं।

जैतून का तेल-जैतून के तेल से शिशु की मालिश करने से शिशु की हड्डियां मजबूत बनने के साथ शरीर का विकास ठीक ढंग से होता है। ये तेल एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शिशु के शरीर को एक्टिव बनाए रखने में भी मदद करता है।

सरसों का तेल-सरसों का तेल बच्चे की मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाता है। इस तेल से मालिश करने से बच्चे के शरीर को गर्माहट भी मिलती है।

तिल का तेल-

ये तेल शिशु की स्किन को पोषण देने के साथ ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने और इंफेक्शन से बचाव भी करता है। तिल के तेल में विटामिन ई, विटामिन बी और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो त्वचा की रंगत निखारने में भी मदद करते हैं।

सपनों का घर खरीदते समय नहीं बिखरेगा आपका सपना, बस वास्तु के इन नियमों का रखें ध्यान

वास्तु के अनुसार, ऐसा घर अच्छा माना जाता है, जिनमें रोशनी और हवा अच्छी आती हो। लेकिन कई बार घर कुछ इस तरह बने होते हैं, जिनमें सूरज की किरणों की रोशनी नहीं पहुंच पाती है। ऐसे घर को भूल से भी नहीं खरीदना चाहिए।

अपना एक घर खरीदना हर व्यक्ति का सपना होता है और इसलिए व्यक्ति रूपया-रूपया जोड़कर घर खरीदता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि घर खरीदने के बाद व्यक्ति के जीवन में अशांति छा जाती है। व्यक्ति हमेशा ही परेशान रहता है या फिर घर में रहते समय उसे हमेशा ही किसी ना किसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसा उस स्थान के वास्तु दोष के कारण होता है। इसलिए कहा जाता है कि घर खरीदने से पहले व्यक्ति को बहुत अधिक सोच-विचार करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको घर खरीदने से पहले ध्यान में रखना चाहिए-

रोशनी व हवा के स्त्रोत पर दें ध्यान

वास्तु के अनुसार, ऐसा घर अच्छा माना जाता है, जिनमें रोशनी और हवा अच्छी आती हो। लेकिन कई बार घर कुछ इस तरह बने होते हैं, जिनमें सूरज की किरणों की रोशनी नहीं पहुंच पाती है। ऐसे घर को भूल से भी नहीं खरीदना चाहिए। दरअसल, जिन घरों में सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती है, वहां पर बीमारी का वास होता है। साथ ही, लोगों के मन में नकारात्मकता का संचार होता है। ऐसे घर व्यक्ति के मन की शांति को भंग कर देते हैं।

पेड़ों से रहें सतर्क

घर खरीदते समय आपको यह अवश्य देखना चाहिए कि उसके सामने ऐसा कोई ऊंचा पेड़ ना हो, जिसकी छाया घर पर पड़े। ऐसा माना जाता है कि अगर घर के ठीक सामने पीपल या इमली आदि का पौधा नहीं होना चाहिए।

अस्पताल के पास ना हो घर

कभी भी आपको घर ऐसे स्थान पर नहीं लेना चाहिए, जिसके बेहद करीब कोई अस्पताल हो। दरअसल, अस्पताल को नेगेटिव एनर्जी का घर कहा जाता है, क्योंकि लोग यहां पर आकर अपनी बीमारी का इलाज करवाते हैं और अपनी बीमारी यहीं पर छोड़कर चले जाते हैं। ऐसे में अगर अस्पताल के करीब होगा तो व्यक्ति के मन की नेगेटिविटी बहुत अधिक बढ़ती जाएगी।

टी पॉईंट को करें अवॉयड

वास्तु शास्त्र के अनुसार, टी पॉईंट पर भी घर होना बिल्कुल अच्छा नहीं माना जाता है। अगर व्यक्ति टी पॉईंट पर घर लेता है तो उसके जीवन में कभी भी स्थिरता नहीं आती है और व्यक्ति हमेशा ही बैचेन रहता है। इससे नेगेटिव एनर्जी भी घर में आती है।

जरूर देखें प्रवेश की दिशा

नया घर खरीदते समय मुख्य द्वार की दिशा पर फोकस करना बेहद आवश्यक होता है। मुख्य द्वार से सिर्फ इंसान ही नहीं, खुशियां भी घर में प्रवेश करती हैं। इसलिए, आप ध्यान दें कि आपके घर का मुख्य द्वार पूर्व, उत्तर, या उत्तर-पूर्व दिशा में ही हो।

इस रात्रि चंद्रमा से बरसता है अमृत, पृथ्वी लोक में भ्रमण करती हैं मां लक्ष्मी

अश्विन मास में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व माना जाता है। इस पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा नाम से जाना जाता है। पुराणों के अनुसार कुछ रातों का विशेष महत्व है जैसे नवरात्रि, शिवरात्रि और शरद पूर्णिमा। मान्यता है कि मां लक्ष्मी की समुद्र मंथन से उत्पत्ति शरद पूर्णिमा को हुई थी। इस कारण इस तिथि को धनदायक माना जाता है। इस रात्रि में मां लक्ष्मी का पूजन करने से मां की कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात्रि चंद्रमा की किरणों से अमृत वर्षा होती है। इसी दिन से मौसम बदलता है और सर्दियों का आंरभ होता है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा व रास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। इस रात्रि चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से पूर्ण होकर अमृत वर्षा करते हैं। शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्रमा की रोशनी में खीर रखने की परंपरा है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर पवित्र नदी में स्नान करें। स्वच्छ वस्त्र धारण करें। चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर गंगाजल छिड़कें। मां लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें और उन्हें लाल चुनरी भेंट करें। लाल फूल, इत्र, नैवेद्य, धूप-दीप, सुपारी से मां की विधिवत पूजा अर्चना करें। शाम को मां लक्ष्मी और भगवान श्री हरि विष्णु का पूजन करें और चंद्रमा को अर्घ्य प्रदान करें। खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखें। मध्य रात्रि में मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाएं और प्रसाद के रूप में परिवार में वितरित करें। माना जाता है कि शरद पूर्णिमा की रात्रि में माता लक्ष्मी पृथ्वी लोक में भ्रमण करती हैं। शरद पूर्णिमा की रात कुछ घंटों के लिए चंद्रमा की शीतल चांदनी में बैठना चाहिए। इस रात्रि में चंद्रमा की तरफ एकटक निहारने से या सुई में धागा पिरोने से नेत्र ज्योति बढ़ती है।

शनिवार के दिन इन 5 राशियों के लोग करें ये उपाय, कम होगा शनिदेव का अशुभ प्रभाव

शनिदेव को हिंदू धर्म में न्याय का देवता माना गया है। कहते हैं कि शनिदेव हर जातक को उसके कर्मों के हिसाब से फल देते हैं। अच्छे कार्यों को करने वाले जातक को शुभ फल व गलत कामों में लिप्त लोगों को दंडित करते हैं। शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार का दिन बेहद खास माना गया है। मान्यता है कि इस दिन कुछ उपायों को करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

शनिवार को शनिदेव संबंधित उपायों को करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होने की मान्यता है। रोजगार व नौकरी में तरक्की मिलती है। वर्तमान में मकर, कुंभ व धनु राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है। मिथुन व तुला राशि वालों पर शनि ढैय्या का प्रभाव है। इस ढैय्या व साढ़ेसाती से पीड़ित जातकों को कष्टों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप की राशि भी शनि की महादशा से पीड़ित है तो जानें ये सरल **उपाय**-शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा करने व शनि चालीसा का पाठ करने से भी शनिदेव प्रसन्न होते हैं। शनिवार के दिन भगवान शिव का पूजन भी शुभ माना जाता है। कहते हैं कि इस दिन शिव पूजन करने से करने शनि के अशुभ प्रभाव कम होते हैं। शनिवार के दिन झाड़ू खरीदना भी शुभ माना जाता है। इस दिन तिल का सेवन व तिल मिले जल से स्नान भी लाभकारी माना गया है।अगर संभव हो सके तो शनिवार के दिन नीले वस्त्र धारण करने चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

पराक्रमी व प्रसन्नचित व्यक्तित्व के धनी थे गुरु गोविन्द सिंह

गुरु गोविन्द सिंह बचपन से ही बहुत पराक्रमी व प्रसन्नचित व्यक्तित्व के धनी थे। उन्हें सिपाहियों का खेल खेलना बहुत पसंद था। बालक गोविन्द बचपन में ही जितने बुद्धिमान थे उतने ही अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए किसी से भी लोहा लेने में पीछे नहीं हटते थे। वे एक कुशल संगठक थे। दूर-दूर तक फैले हुए सिख समुदाय को 'हुक्मनामे' भेजकर, उनसे धन और अस्त्र-शस्त्र का संग्रह उन्होंने किया था। एक छोटी-सी सेना एकत्र की और युद्ध नीति में उन्हें कुशल बनाया। उन्होंने सुदूर प्रदेशों से आये कवियों को अपने यहाँ आश्रय दिया। यद्यपि उन्हें बचपन में अपने पिता श्री गुरु तेगबहादुरजी से दूर ही रहना पड़ा था, तथापि तेगबहादुरजी ने उनकी शिक्षा का सुव्यवस्थित प्रबंध किया था। साहेबचंद खत्रीजी से उन्होंने संस्कृत एवं हिन्दी भाषा सीखी और काजी पीर मुहम्मदजी से उन्होंने फारसी भाषा की शिक्षा ली। कश्मीरी पंडित कृपारामजी ने उन्हें संस्कृत भाषा तथा गुरुमुखी लिपि में लेखन, इतिहास आदि विषयों के ज्ञान के साथ उन्हें तलवार, बंदूक तथा अन्य शस्त्र चलाने व घुड़सवारी की भी शिक्षा दी थी। श्री गोविन्द सिंहजी के हस्ताक्षर अत्यंत सुन्दर थे। वे चित्रकला में पारंगत थे। सिराद- एक प्रकार का तंतुवाद्य, मृदंग और छोटा तबला बजाने में वे अत्यंत कुशल थे। उनके काव्य में ध्वनि नाद और ताल का सुंदर संगम हुआ है। इस तरह गुरु गोविन्द सिंह कला, संगीत, संस्कृति एवं साहित्यप्रेमी थे।

निर्भीकता, साहस एवं तत्परता के गुणों से युक्त श्री गुरु गोविन्द सिंहजी का जन्म संवत् 1723 विक्रम की पौष सुदी सप्तमी अर्थात 22 दिसम्बर सन् 1666 में हुआ। उनके पिता गुरु तेगबहादुर उस समय अपनी पत्नी गुजरी तथा कुछ शिष्यों के साथ पूर्वी भारत की यात्रा पर थे। अपनी गर्भवती पत्नी और कुछ शिष्यों को पटना छोड़कर वे असम रवाना हो गये थे। वहीं उन्हें पुत्र प्राप्ति का शुभ समाचार मिला। बालक गोविन्द सिंह के जीवन के प्रारंभिक 6 वर्ष पटना में ही बीते। अपने पिता के बलिदान के समय गुरु गोविन्द सिंह की आयु मात्र 9 वर्ष की थी। इतने कम उम्र में गुरु पद पर आसीन होकर उन्होंने गुरु पद को अपने व्यक्तित्व व कृतित्व से और भी गौरवान्वित किया। शासक होकर भी उनकी नजर में सत्ता से ऊंचा समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। यूं लगता है वे जीवन-दर्शन के पुरोधा बन कर आए थे। उनका अथ से इति तक का पुरा सफर पुरुषार्थ एवं शौर्य की प्रेरणा है। वे सम्राट भी थे और संन्यासी भी। आज उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व और कर्तृत्व सिख इतिहास का एक अमिट आलेख बन चुका है। उन्हें हम तमस से ज्योति की ओर एक यात्रा एवं मानवता के अभ्युदय के सूर्योदय के रूप में देखते हैं।

07 अक्टूबर 1708 में गुरू गोविन्द सिंह जी को नांदेड साहिब में दिव्य ज्योति में लीन हो गये। गुरु गोबिंद सिंहजी एक साहसी योद्धा के साथ-साथ एक अच्छे कवि भी थे। इन्होंने बेअंत वाणी के नाम से एक काव्य ग्रंथ की रचना की। इस ग्रंथ की रचना करने का गोविन्दसिंहजी का मुख्य उद्देश्य पंडितों, योगियों तथा संतों के मन को एकाग्र करना था। इनके पिता श्री गुरु तेग बहादुरजी ने तथा इन्होंने मुगल शासकों के विरुद्ध काफी युद्ध लड़े थे। जिन युद्धों में इनके पिताजी शहीद हो गये थे। श्री तेगबहादुरजी के शहीद होने के बाद ही सन् 1699 में गुरु गोविन्द सिंहजी को दशवें गुरु का दर्जा दिया गया था। गुरु गोविन्द सिंहजी ने युद्ध लड़ने के लिए कुछ अनिवार्य ककार धारण करने की घोषणा भी की थी। सिख धर्म के ये पांच क-कार हैं- केश, कडा, कंघा, कच्छा और कटार। ये शौर्य, शुचिता तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के संकल्प के प्रतीक है।

> निर्भीकता, साहस एवं तत्परता के गुणों से युक्त श्री गुरु गोविन्द सिंहजी का जन्म संवत् 1723 विक्रम की पौष सुदी सप्तमी अर्थात 22 दिसम्बर सन् 1666 में हुआ। उनके पिता गुरु तेगबहादुर उस समय अपनी पत्नी गुजरी तथा कुछ शिष्यों के साथ पूर्वी भारत की यात्रा पर थे।
>
> भारत की रत्नगर्भा माटी में संतपुरुषों, गुरुओं एवं महामनीषियों की श्रृंखला में एक महापुरुष हैं गुरु गोविन्द सिंह। जिनकी दुनिया के महान तपस्वी, महान कवि, महान योद्धा, महान संत सिपाही साहिब आदि स्वरूपों में पहचान होती है। जिन्होंने कर्तृत्ववाद का संदेश देकर औरों के भरोसे जीने वालों को स्वयं महल की नींव खोद ऊंचाई देने की बात सिखाई। भाग्य की रेखाएं स्वयं निर्मित करने की जागृत प्रेरणा दी।

रानी दुर्गावती ने मुगलों के खिलाफ लिया था लोहा, अपने सीने में उतारी थी कटार

आज ही के दिन वर्ष 1524 में उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल के घर रानी दुर्गावती का जन्म हुआ था। दुर्गा अष्टमी पर जन्म होने के कारण ही उनका नाम दुर्गावती रखा गया था। रानी दुर्गावती एक ऐसी वीरांगना थी जिन्होंने मध्य प्रदेश में शासन किया। रानी दुर्गावती के सम्मान में भारत सरकार ने वर्ष 1988 में एक पोस्टल स्टाम्प भी जारी किया था। रानी दुर्गावती की वीरता और कहानियां आज भी देश की करोड़ों महिलाओं को प्रेरित करती है।बता दें कि रानी दुर्गावती अपने नाम के साथ न्याय करती थी। उन्हें तेज, साहस, शौर्य था। इनकी इन सभी खूबियों के कारण ही उनकी प्रसिद्धि दूर-दूर तक काफी जल्दी ही फैल गई थी। जानकारी के मुताबिक महारानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीर्ति सिंह चंदेल की इकलौती संतान थी। उनका विवाह राजा संग्राम शाह के पुत्र दलपत शाह के साथ हुआ था। हालांकि दुर्भाग्यवश विवाह के मात्र चार वर्ष बीतते ही उनके पति राजा दलपत शाह का निधन हो गया था। इसके बाद रानी दुर्गावती ने अपने तीन वर्ष के पुत्र की जिम्मेदारी के साथ अपने राज्य का शासन भी संभाला। उन्होंने खुद ही गढ़ मंडला की बागडोर अपने हाथ में ली थी। बता दें कि वर्तमान समय का जबलपुर में उस समय उनका शासन था।

साहस से किया दुश्मनों को परास्त

रानी दुर्गावती को शासन के साथ साथ अपनी व अपने राज्य की भी अच्छे से देखभाल करनी पड़ी थी। उनपर सूबेदार बाजबहादुर ने भी बुरी नजर डाली थी मगर अपनी हिम्मत से रानी दुर्गावती ने उसको उलटे पांव लौटाया था। उसके साथ रानी दुर्गावती ने दूसरी बार भी जमकर युद्ध किया मगर उसे मुंह की खानी पड़ी। हालांकि इसके बाद वो फिर कभी लौटकर नहीं आया। जानकारों का मानना है कि रानी दुर्गावती इतनी साहसी थी कि उन्होंने अपने चातुर्य और साहस से मुस्लिम राज्यों को कई बार युद्ध में परास्त किया था। युद्ध में बुरी तरह हारने के बाद इन राज्यों रानी दुर्गावती के राज्य की तरफ कभी पलटकर नहीं देखा। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि रानी दुर्गावती वीरांगना थी। कहा जाता है कि अगर उन्हें अपने राज्य में शेर के होने की जानकारी मिल जाया करती थी तो वो शस्त्र उठाकर शेर का शिकार करने चल देती थी।

अंत समय में भी दिखाया शौर्य

जानकारी के मुताबिक गोंडवाना का राज महारानी दुर्गावती ने कुल 16 वर्षों तक संभाला। इस दौरान उन्होंने मंदिर, मठ, कुएं, बावड़ी और धर्मशालाएं भी बनवाई थी। उनके राज के दौरान हर तरफ विकास हुआ था। रानी दुर्गावती इतनी प्रभावशाली थी कि उन्होंने अकबर के सामने भी झुकने से इंकार कर दिया था। रानी दुर्गावती ने अपनी अस्मिता को बचाने और अंत समय को नजदीक जानकर अपनी जान दे दी थी। उन्होंने वर्ष 1564 में अपनी ही कटार से सीने में वार कर बलिदान कर दिया था। आज भी उनका नाम भारत की महान वीरांगनाओं में शामिल किया जाता है।

साल के पहल सूर्य ग्रहण पर, इन 5 राशियों का जागेगा सोया हुआ भाग्य

सूर्य ग्रहण का वैज्ञानिक महत्व होने के साथ ही बहुत अधिक ज्योतिष और धार्मिक महत्व भी होता है। सूर्य ग्रहण का सभी राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव पड़ता है। साल का दूसरा सूर्य ग्रहण आंशिक होगा। आइए जानते हैं सूर्य ग्रहण के दिन किन राशियों की किस्मत चमकने वाली है...

मेष राशि-आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। निवेश करने से लाभ होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह राशि-इस समय नया मकान या घर खरीद सकते हैं। मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहेगी। दांपत्य जीवन सुखम रहेगा। नया कार्य शुरू करने के लिए समय शुभ है।

कन्या राशि-मां लक्ष्मी की कृपा से कार्यों में सफलता मिलेगी। नया मकान या वाहन खरीद सकते हैं। व्यापार के लिए ये समय काफी शुभ है।

तुला राशि-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।, निवेश करने के लिए समय अच्छा है। नया वाहन खरीद सकते हैं। लेन-देन के लिए भी समय अच्छा है।

वृश्चिक राशि-निवेश करने के लिए समय काफी अच्छा है। इस समय धन-लाभ तो होगा, लेकिन खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

व्यापारी वर्ग के लिए ये समय किसी वरदान से कम नहीं है। मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होगी। नया वाहन या मकान लेने के लिए समय शुभ है।

रावण को समझाने के लिए विभीषण ने कौन-सी कहानी सुनाई थी?

श्रीविभीषण जी अपने भाई रावण को समझाने का अथक प्रयास कर रहे हैं। किंतु रावण के संबंध में, उन्हें शायद यह ज्ञान विस्मृत हो गया था, कि रावण का हृदय कोई संतों के हृदय के समान, माखन जैसा नहीं है। जो कि भक्तिमय भावों के तनिक से ताप से पिघल जाता। रावण तो नख से सिर तक, और भीतर से लेकर बाहर तक, मानो निरा पत्थर ही था। और पत्थर की यह विड़म्बना है कि वह सौ कल्प तक भी, भले ही गंगा जी में भी क्यों न डूबा रहे, वह कभी भी भीतर से भीग नहीं सकता। वे तो श्रीविभीषण जी थे, जिनके श्रीमुख से, रावण ने अपने सम्मुख, श्रीराम जी की इतनी महिमा सुन ली। अन्यथा कोई और होता, तो उसका सीस, अब तक धड़ से विलग हुआ होता। रावण स्वयं को समझा नहीं पा रहा था, कि विभीषण को आखिर हो क्या गया है? कारण कि जिस विभीषण को मैंने मंत्री पद के साथ-साथ, हर वह सुख व सम्मान दिया, जो किसी के लिए भी एक सव्पन सा होता है। क्या वही विभीषण मेरे ही समक्ष, मेरे शत्रु के महिमा गान कर रहा है? रावण ने जब श्रीविभीषण जी के माध्यम से सुना, कि श्रीराम तो कोई साधारण मानव न होकर, साक्षात भगवान हैं, तो रावण को तो मानों तन, मन में आग सी लग गई। लेकिन तब भी रावण चुप रहा। वह शायद यह जानना चाह रहा था, कि मेरा भाई विभीषण, आखिर किस सीमा तक मुझसे दूर, और श्रीराम जी के कितना समीप आ चुका था। किंतु रावण को क्या पता था, कि श्रीविभीषण जी, अब श्रीराम जी के कोई समीप मात्र थोड़ी न हुए थे, अपितु वे तो श्रीराम जी संग भीतर तक सागर में गुड़ की भाँति घुले हुए थे। तभी तो श्रीविभीषण जी के श्रीमुख से ऐसे-ऐसे वाक्य निकल रहे हैं-श्रीविभीषण जी ने मानो प्रभु गुणगान की, अब तो सीमा ही लाँघ दी थी। वे बोले कि हे तात! उन कृपा के समुद्र भगवान ने पृथ्वी, ब्राह्मण, गो और देवताओं का हित करने के लिए ही मनुष्य शरीर धारण किया है। हे भाई! सुनिए, वे सेवकों को आनंद देने वाले, दुष्टों के समुह का नाश करने वाले, और वेद तथा धर्म की रक्षा करने वाले हैं। इसलिए मेरा करबद्ध निवेदन है, कि आप बैर त्यागकर उन्हें हृदय से मस्तक नवाइए। वे श्रीरघुनाथ जी शरणागत का दु:ख नाश करने वाले हैं। हे नाथ! उन प्रभु को जानकी वापिस लौटा दीजिए। और बिना ही कारण स्नेह करने वाले श्री राम जी को भेजिए।श्रीविभीषण जी रावण को बार-बार सिर निवाकर, निवेदन स्वर में कह रहे हैं, कि हे लंकापति, आप जैसे भी अपने मन को समझायें, बस समझा लीजिए। और श्रीराम जी के भजन में विलीन हो जाईये। श्रीविभीषण जी ने सोचा, कि लगता है, रावण भईया पर मेरी बातों का प्रभाव नहीं पड़ रहा है। तो क्यों न मैं ऋर्षि पुलस्त्य जी के संदेश को भी कह सुनाऊँ। क्योंकि ऋर्षि पुलस्त्य जी ने अपने शिष्य के माध्यम से भी, आपके लिए यही संदेश भिजवाया है, कि आप अपने समस्त अपराधों को त्याग कर, श्रीराम जी की शरणागत हो अपना जीवन सफल करें। रावण पर मानो अब अपने दादा जी का भी प्रभाव था। शायद रावण अब अवश्य ही श्रीराम शरणागति पर चिंतन करता। लेकिन उसने अभी भी मौन व्रत ही धारण किया हुआ था। रावण तो नहीं बोला। मंत्री माल्यवान् को, श्रीविभीषण जी के वाक्य बहुत ही सुंदर लगे। जिसे सुन माल्यवान् रावण को बोला, कि हे तात! आपके छोटे भाई नीति के भूषण हैं, अर्थात नीति को आभूषण रूप में धारण करने वाले हैं। जिसका एक ही परिणाम निकलता है, कि आपके भाई जो कुछ भी कह रहे हैं, उसे आप बिना किसी संकोच के, हृदय में धारण कर लीजिए।

रावण ने जब देखा, कि अभी तक तो केवल विभीषण ही मेरे शत्रु के पक्ष में बोल रहा था। लेकिन अब उसके भाषण के प्रभाव में तो, मेरे मंत्री भी बोलने लगे हैं। और यह निश्चित ही, किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य है। अन्य राक्षस जनों द्वारा, विभीषण का अनुसरण करने का, सीधा सा अर्थ है, कि मेरे शत्रु के अग्नि ताप का प्रभाव मेरे घर तक भी आन पहुँचा है। जो धीरे-धीरे मेरे राज-पाट को भी अपनी चपेट में ले सकता है। मुझे विभीषण को लेकर, जिस निष्कर्ष तक पहुँचना था, मैं वहाँ पहुँच गया। निष्कर्ष यह, कि मेरा भाई अब मेरा नहीं, अपितु मेरे शत्रु का सगा हो गया है। और मेरे मतानुसार ऐसे भाई का मेरी लंका नगरी में कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

अतीक के बाद अब मुख्तार को मौत का डर

हैरान कर इस देगी इस माफिया की क्राइम हिस्ट्री

अतीक अहमद और उसकी सल्तनत का हश्र सबके सामने है. असद के एनकाउंटर फिर अतीक और अशरफ की हत्या के बाद यूपी का एक और बाहुबली और बड़ा माफिया मुख्तार अंसारी सहम गया है. मुख्तार के भाई अफजाल अंसारी ने उसकी हत्या की आशंका जताई है.

सीएम योगी आदित्यनाथ सूबे में माफिया राज के खात्मे का बिगुल बजा चुके हैं. विधानसभा में सीएम ने कहा कि माफिया को मिट्टी में मिला देंगे. सीएम के राडार में 60 से ज्यादा माफिया हैं, जिनमें मुख्तार अंसारी का भी नाम शामिल है. ऐसे में सूत्रों के मुताबिक, मुख्तार अंसारी ने जैसे ही अतीक अहमद और अशरफ की मौत की खबर सुनी, वह बेचैन हो उठा.दरअसल मुख्तार के खिलाफ कानूनी शिकंजा कस चुका है. उसकी 448 करोड़ की संपत्ति जब्त हो चुकी है. वो इससे पहले भी कई बार अपनी जान को खतरा बता चुका है. दो साल पहले उसने राष्ट्रपति से जान बचाने की गुहार लगाई थी. तब उसे खाने में जहर देकर मारने का डर सता रहा था. तब बांदा जेल में बंद मुख्तार ने एमपी-एमएलए कोर्ट में कहा था कि उसे डर है कि कहीं यूपी सरकार खाने में जहर ना मिलाकर खिला दे. उसे ट्रायल में लाने ले जाने के दौरान एनकाउंटर का डर सताता है तो कभी वो कोई और बात करता है. कुल मिलाकर मुख्तार के बयानों में उसकी बेचैनी साफ झलकती है.आइए जानते हैं कि इस माफिया की क्या है क्राइम हिस्ट्री. मुख्तार करीब दो दशक से जेल में बंद है?. जेल की सलाखें भी उसे अपराध करने से रोक नहीं पाईं. जेल के अंदर रहते हुए उसके खिलाफ गाजीपुर, वाराणसी, मऊ और आजमगढ़ में अब तक हत्या के 8 मामले दर्ज हो चुके हैं. इसी साल उसके खिलाफ गाजीपुर में उसरी चट्टी हत्याकांड को लेकर 61वां केस दर्ज हुआ है. मुख्तार के खिलाफ हत्या के 18 मुकदमें और हत्या के प्रयास के 10 केस दर्ज हैं. मुख्तार पर टाडा, मकोका, रासुका और आर्म्स के तहत भी कई मामले दर्ज हैं.मुख्तार के खिलाफ देशभर में 61 मामले दर्ज हैं, जिनमें 24 मामले अदालतों में विचाराधीन हैं. मुख्तार अंसारी के खिलाफ पहली बार मर्डर का केस 1988 में गाजीपुर कोतवाली में रजिस्टर हुआ था. तब मंडी परिषद की ठेकेदारी को लेकर स्थानीय ठेकेदार सच्चिदानंद राय के मर्डर में मुख?तार का नाम आया था.

मुख्तार करीब दो दशक से जेल में भले बंद हो लेकिन लोहे की सलाखें और कैद के कड़े नियम भी उसे अपराध करने से नहीं रोक पाए. जेल के अंदर रहते हुए उसके खिलाफ गाजीपुर, वाराणसी, मऊ और आजमगढ़ में हत्या के 8 मामले दर्ज हो चुके हैं. इसी साल उसके खिलाफ गाजीपुर में 61वां केस दर्ज हुआ है. मुख्तार के खिलाफ हत्या के 18 मुकदमें और हत्या के प्रयास के 10 केस दर्ज हैं. उस पर टाडा, मकोका और रासुका के मामले दर्ज हैं.यूपी में सन 2005 में दो बड़ी वारदात हुई थीं, जिनमें मुख्तार का नाम देशभर की सुर्खियों में था. पहला मामला मऊ दंगों से जुड़ा था तब मुख्तार दंगा प्रभावित क्षेत्र में च-47 के साथ खुली जीप में घूम रहा था. उस केस में मुख्तार ने 25 अक्टूबर 2005 को गाजीपुर में सरेंडर किया था. दूसरी वारदात 29 नवंबर को हुई जब बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय समेत सात लोगों की हत्या कर दी गई थी. इस हत्याकांड के लिए मुख्तार ने शूटर मुन्ना बजरंगी की मदद ली थी.यूपी में संगठित अपराध तेजी से खत्म हो रहा है. ऐसे में रंगदारी और कारोबारियों के अपहरण से लेकर पुलिस के अधिकारियों पर हमला करके कानून से आंख मिचौली खेलने वाला मुख्तार अब सदमें में दिख रहा है.

जानिये उत्तर प्रदेश में अब कौन-कौन से माफिया बचे हैं और उन पर कितना ईनाम है?

उत्तर प्रदेश में बेहतर लॉ एंड ऑर्डर के लिए अभियान चला रही योगी सरकार जाति-धर्म देखकर एक्शन नहीं लेती, बल्कि उसके निशाने पर हर वो अपराधी है जो खुद को जुर्म की दुनिया का बेताज बादशाह समझता है। ऐसे अपराधी जिन्होंने पूर्व की सरकारों के संरक्षण में अपराध का पूरा नेटवर्क खड़ा कर लिया था। वसूली, हत्या, रेप, लूट और अवैध कब्जा जैसे जघन्य अपराध इनके लिए मामूली घटनाएं हुआ करती थीं। जिन्हें न पुलिस का डर था और न ही किसी एक्शन की परवाह। आज ऐसे सभी अपराधी प्रदेश सरकार की सख्त छवि और अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति से भयभीत हैं। अल्पसंख्यक हों या बहुसंख्यक, पिछड़ी जाति हो या अगड़ी, अपराधों के प्रति योगी सरकार सख्ती से निपट रही है।इसका सटीक उदाहरण यूपी पुलिस की मोस्ट वांटेड क्रिमिनल लिस्ट है, जिसमें उन लोगों को शामिल किया गया है जिन्होंने गंभीर अपराध किए हैं। यह लिस्ट धर्म और जाति को आधार बनाकर तैयार नहीं की गई है। उल्लेखनीय है कि अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद विपक्षी नेता योगी सरकार पर अल्पसंख्यक विरोधी होने का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे नेताओं के लिए यूपी पुलिस की मोस्ट वांटेड की लिस्ट बड़ा सबक है।

योगी सरकार ने जोन के मुताबिक सूचीबद्ध किये गये माफियाओं की सूची जारी कर दी है जो इस प्रकार है-

मेरठ जोन-उधम सिंह, योगेश भदोड़ा, बदन सिंह उर्फ बद्दो, हाजी याकूब कुरैशी, शारिक, सुनील राठी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, अमर पाल उर्फ कालू, अनुज बारखा, विक्रांत उर्फ विक्की, हाजी इकबाल उर्फ बाला, विनोद शर्मा, सुनील उर्फ मूंछ, संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा व विनय त्यागी उर्फ टिंकू शामिल हैं।

आगरा जोन के अनिल चौधरी व ऋषि कुमार शर्मा के अलावा बरेली जोन के एजाज और कानपुर जोन के अनुपम दुबे का नाम माफियाओं की सूची में शामिल है।

लखनऊ जोन-खान मुबारक, अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, संजय सिंह सिंघाला, अतुल वर्मा, मु. सहीम उर्फ कासिम

प्रयागराज जोन के डब्बू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह, सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह,

वाराणसी जोन-मुख्तार अंसारी, त्रिभुवन सिंह उर्फ पवन सिंह, विजय मिश्रा, ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह, अखंड प्रताप सिंह, रमेश सिंह उर्फ काका।

गोरखपुर जोन-संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवेदी, राकेश यादव, सुधीर कुमार सिंह, विनोद कुमार उपाध्याय, राजन तिवारी, रिजवान जहीर, देवेन्द्र सिंह,

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट-सुंदर भाटी, सिंहराज भाटी, अमित कसाना, अनिल भाटी, रणदीप भाटी, मनोज उर्फ आसे, अनिल दुजाना।

कानपुर कमिश्नरेट-सऊद अख्तर, कमिश्नरेट लखनऊ के लल्लू यादव, बच्चू यादव व जुगनू वालिया उर्फ हरिवंदर सिंह

प्रयागराज कमिश्नरेट-बच्चा पासी उर्फ निहाल पासी, दिलीप मिश्रा, जावेद उर्फ पप्पू, राजेश यादव, गणेश यादव, कमरुल हसन, जाविर हुसैन व मुजफ्फर

नाम	कहां के रहने वाले हैं	इनाम (रुपए में)
विवेक कुमार	बुलंदशहर	50,000
सलीम मुख्तार सेख	लखनऊ	50,000
संजीव नाला	मुज्जफरनगर	50,000
सुनील महकर सिंह	सहारनपुर	50,000
राम नरेश ठाकुर	आगरा	50,000
विश्वास नेपाली	वाराणसी	50,000
सुनील यादव	वाराणसी	50,000
अजीम अहमद	वाराणसी	50,000
मनीष सिंह	वाराणसी	50,000
शहाबुद्दीन	गाजीपुर	2,00,000
अतार्रहमान बाबू उर्फ सिकंदर	गाजीपुर	2,00,000
बहर उर्फ बहारुद्दीन	कौशांबी	50,000
रुद्रेश उपाध्याय उर्फ पिंटू	भदोही	50,000
आफताब आलम	प्रयागराज	50,000
शिवा बिंद उर्फ शिव शंकर बिंद	गाजीपुर	50,000
हरीश	मुजफ्फरनगर	2,00,000
सुमित	मुरादाबाद	2,00,000
बदन सिंह बद्दो	मेरठ	2,50,000
मनीष सिंह सोनू	वाराणसी	2,00,000
राघवेंद्र यादव	गोरखपुर	2,50,000
दीसि बहल	गाजियाबाद	5,00,000
भूदेव	बुलंदशहर	5,00,000
विजेंद्र सिंह हूड्डा	मेरठ	5,00,000
राशिद नसीम	लखनऊ	5,00,000
आदित्य राणा	बिजनौर	2,50,000
राम चरण उर्फ बौरा	बाराबंकी	3,00,000
दिनेश कुमार सिंह	रायबरेली	1,50,000

वाराणसी कमिश्नरेट - अभिषेक सिंह हनी उर्फ जहर, बृजेश कुमार सिंह व सुभाष सिंह ठाकुर

हम आपको यह भी बता दें कि सूचीबद्ध माफिया की गतिविधियों पर एसटीएफ और जिला पुलिस कड़ी नजर रखती है। शासन स्तर से पहले अनुमोदित 25 सूचीबद्ध माफिया में माफिया मुख्तार अंसारी, बृजेश सिंह, त्रिभुवन सिंह उर्फ पवन सिंह, संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा, ओमप्रकाश श्रीवास्तव उर्फ बबलू, सुशील उर्फ मूंछ, सीरियल किलर सलीम, रुस्तम व सोहराब समेत अन्य कुख्यातों के नाम शामिल थे।

क से कबूतर, ख से खबूतर, ग से गबूतर, परीक्षा में छात्र का जवाब देखकर दंग रह गया टीचर

अगर आप रील्स को रोजाना अपने मोबाइल फोन पर स्क्रॉल करते हैं तो कई सारे मजेदार वीडियो जरूर देखते होंगे. कभी-कभी तो कुछ ऐसे वीडियो सामने आ जाते हैं, जिसे एक-दो बार नहीं बल्कि कई बार देखने का मन करता है. छोटे बच्चे जब पढ़ाई करते हैं तो अपनी कॉपी में कुछ ऐसी बातें लिख देते हैं जिसे पढ़कर आपको हंसी आ जाती होगी. स्कूल में जब बच्चे अपने कॉपी में कुछ लिख देते हैं तो टीचर भी उसके पैरेंट्स तक बात बताते हैं कि बच्चे ने आखिर क्या लिखा और क्या गलती की. सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा ही एक और वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर आप दंग रह जाएंगे.

हिंदी पढ़ाया जाता है तो उन्हें सबसे पहले शब्दों के पहले अक्षर के साथ किसी सजीव-निर्जीव चीजों को जोड़कर बतलाया जाता है. जैसे क से कबूतर, ख से खरगोश, ग से गमला जैसे शब्दों से समझाया जाता है. इसे लेकर टीचर परीक्षा लेते हैं तो कुछ ही बच्चे हैं जो सही जवाब दे पाते हैं जबकि ज्यादातर बच्चे कुछ न कुछ गलत लिखकर चले आते हैं. सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले इस वीडियो में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जिसमें एक स्कूली बच्चे ने अपने कॉपी में अजीबोगरीब अंदाज में जवाब लिखा. स्कूल में टीचर ने हिंदी अल्फाबेट के सामने उससे जुड़े शब्दों को लिखने के लिए दिए थे, लेकिन बच्चे ने उल्टा-पुल्टा लिख दिया.

जैसे ही टीचर ने बच्चे की कॉपी देखी तो वह हैरान रह गए, क्योंकि उसने कुछ और ही तरीके से चीजों को लिख दिया था. उसने लिखा- क से कबूतर, ख से खबूतर, ग से गबूतर, घ से घबूतर, च से चबूतर, छ से छबूतर, ज से जबूतरज ऐसे ही आगे भी उसने लिखा. हालांकि, जैसे ही यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ तो लोगों ने खूब मजाक उड़ाया. वहीं, कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने क से कबूतर और च से चबूतर को सही बतलाया. टीचर ने च से चबूतर को गलत बताकर उसपर लाल रंग का घेरा लगाया था. एक यूजर ने लिखा, हर टाइप का कबूतर उड़ा दिया इसने. जबकि एक अन्य ने लिखा, च से चबूतर तो सही है. फिर भी टीचर में गलत क्यों किया.

भाजपा ने महापौर प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की, जानें किसे कहां से मिला मौका

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को उत्तर प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के लिए 10 नगर निगमों के महापौर (मेयर) प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है. उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने मेयर प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है. भाजपा ने गोरखपुर से डॉक्टर मंगलेश श्रीवास्तव को प्रत्याशी बनाया है. प्रयागराज से उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, वाराणसी से अशोक तिवारी, मुरादाबाद से विनोद अग्रवाल, फिरोजाबाद से कामिनी राठौर, आगरा से हेमलता दिवाकर, लखनऊ से सुषमा खरकवाल, सहारनपुर से डॉ अजय कुमार, मथुरा वृंदावन से विनोद अग्रवाल, झांसी से बिहारी लाल आर्य को पार्टी ने महापौर का प्रत्याशी बनाया है. बताते चलें कि राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने नौ अप्रैल को चुनाव अधिसूचना जारी करते हुए यहां पत्रकारों को बताया कि चुनाव दो चरणों में चार मई तथा 11 मई को होगा जबकि 13 मई को मतों की गिनती की होगी. कुमार ने बताया, 'राज्य के 760 नगरीय निकाय चुनाव के अन्तर्गत कुल 14,684 पदों पर चुनाव होंगे. 'उन्होंने बताया कि इनमें 17 महापौर, 1420 पार्षद, नगर पालिका परिषदों के 199 अध्यक्ष, नगर पालिका परिषदों के 5327 सदस्य, नगर पंचायतों के 544 अध्यक्ष और नगर पंचायतों के 7178 सदस्यों के निर्वाचन के लिये चुनाव होगा.

आईएएस बनने के लिए सड़कों पर 15-15 रुपये में समोसा बेच रहा दिव्यांग

अक्सर हम सुनते हैं कि लोग अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेहनत करते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग आर्थिक तंगी की वजह से अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाते हैं. हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए किसी भी कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं. हर किसी की जिंदगी में अलग-अलग परेशानियां हैं और जब वह अपने उड़ान के लिए ऊंची छलांग लगाते हैं तो उन्हें पहले कई कदम पीछे जाना होता है. कुछ ऐसा ही एक दिव्यांग शख्स की कहानी है जिसके सपनों के बारे में सुनकर आप भी बेहद ही प्रेरित हो जाएंगे और बिना तारीफ किए बिना नहीं रह पाएंगे.

यह कहानी एक विशेष व्यक्ति की है, जो दिव्यांग होने के बावजूद अपनी हिम्मत नहीं हारता और अपने सपनों को पूरा करने के लिए किसी भी मुश्किल का सामना करने को तैयार है. महाराष्ट्र के नागपुर जिले का निवासी सूरज की कहानी को एक फूड ब्लॉगर गौरव वासन ने दिखलाई. उसके वीडियो में आप देख सकते हैं कि वह कैसे दिव्यांग साइकिल पर बैठकर 15-15 रुपये में समोसे बेच रहा है. उसका सपना है कि वह एक आईएएस ऑफिसर बने, लेकिन ऊंची उड़ान के लिए उसने अभी से ही मेहनत शुरू कर दी. जैसे ही फूड ब्लॉगर ने उससे पूछा कि वह दिव्यांग होकर भी ऐसी मेहनत क्यों कर रहा है तो वह फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने लगा, जो ऑनलाइन वायरल हो गया.

यह वीडियो इंस्टाग्राम में काफी देखा जा रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि सूरज अपनी व्हीलचेयर पर बैठकर 15 रुपये प्रति प्लेट के भाव से समोसा बेच रहा है. यह वीडियो गौरव वासन द्वारा उनके YouTube चैनल Swad Official पर शेयर किया गया, जिसके बाद अन्य प्लेटफॉर्म पर भी वायरल हो गया. सूरज ने बताया कि उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से बीएससी की पढ़ाई पूरी की है, लेकिन उन्हें अच्छी नौकरी नहीं मिली. इसलिए, वे पैसे कमाने के लिए समोसा बेचने का फैसला किया है, ताकि वे अपने सपने को पूरा कर सकें और एक आईएएस अधिकारी बन सकें.

जुमे की नमाज के बाद लगे अतीक अहमद अमर रहे के नारे, योगी सरकार पर लगाया गया गंभीर आरोप

रमजान का आखिरी जुमे का नमाज था। इन सबके बीच से माफिया अतीक अहमद के हत्या का मामला अब गर्म होता दिखाई दे रहा है। पटना में एक मस्जिद के बाहर अतीक अहमद के समर्थन में नारे लगे हैं। नमाज के बाद अतीक अहमद अमर रहे की जमकर नारेबाजी की गई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो गया है। इतना ही नहीं, आतीक और उसके भाई अशरफ के समर्थकों ने इस बात का भी ऐलान किया कि उनकी शहादत हुई है। उनके समर्थकों ने कहा कि दोनों को योजना के तहत मारा गया है। इसके अलावा योगी सरकार पर भी बड़े आरोप लगाए गए हैं।

एक रोजेदार ने कहा कि हमने अल्लाह से दुआ किया है कि अतीक अहमद की शहादत को कबूल फरमा। इस दौरान अतीक के समर्थक अशरफ और असद का भी नाम ले रहे हैं। अतीक के एक समर्थक ने कहा कि योगी सरकार ने प्लान वे में उनको मरवाया है। उसने बताया कि सरकार और पुलिस का हाथ उसको मनवाने में है। वह लगातार अतीक अहमद को शहिद बता रहा है। आपको बता दें कि गत 15 अप्रैल को माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब पुलिस उन्हें चिकित्सा परीक्षण के लिए काल्विन अस्पताल में लेकर दाखिल हुई। हमलावरों को उसी समय गिरफ्तार कर लिया गया था।

महाराष्ट्र में बीड जिले में माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद तथा उसके पूर्व विधायक भाई अशरफ अहमद को बैनर लगाकर 'शहीद' बताने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह घटना मंगलवार को जिले के माजलगांव में हुई, जिसके बाद कई स्थानीय लोग बैनर के पास जमा हो गए। अधिकारियों ने तुरंत इस बैनर को हटाया। पुलिस ने कहा कि अतीक और उसके भाई को बैनर लगाकर शहीद के रूप में चित्रित करने की कोशिश की गई थी। इसमें एक अखबार की कटिंग भी थी जिसमें पिछले हफ्ते दोनों भाइयों की हत्या के लिए एक समुदाय विशेष को अपशब्द कहे गए थे।

बरेली का ब्लेडमैन बीवी की खुन्नस में लड़कियों को मारता था ब्लेड, हुआ गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के बरेली से पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है जो बेहद अनोखे तरीके से अपराध को अंजाम देता था. इस शख्स को पूरे इलाके में 'ब्लेडमैन' के नाम से जाना जाता है. आरोपी की पहचान 42 वर्षीय सज्जाद के नाम से की गई है जो शेविंग ब्लेड से लड़कियों पर हमले करता था. ब्लैडमैन सज्जाद के खौफ से शहर की लड़कियां और महिलाएं घर से बाहर निकलने से डरने लगी थीं. काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने इस खूंखार शख्स को धर दबोचा है. इसके लिए पुलिस ने 300 सीसीटीवी फुटेज की तलाशी ली जिसके बाद यह खतरनाक आरोपी पुलिस की पकड़ में आया. जिस अनोखे अंदाज में आरोपी घटना को अंजाम देता था, उससे भी अनोखी इसकी कहानी है.पुलिस को दिए बयान में ब्लेडमैन सज्जाद ने बताया कि उसका उत्पीड़न घर में होता था. इसी बात का गुस्सा वह बाहर की महिलाओं पर निकालता था. ब्लेडमैन पीछे बाइक से आता था और महिलाओं के चेहरे पर ब्लेड से गहरा घाव करके निकल जाता था. इस आरोपी की दहशत बरेली के थाना प्रेम नगर इलाके में फैल गई थी. इसकी वजह से महिलाएं घर के अंदर ही कैद हो गईं थीं. गिरफ्तार होने के बाद आरोपी सज्जाद ने बताया कि उसे ब्लेडमैन बनने का पछतावा है. बरेली पुलिस ने आरोपी सज्जाद को गिरफ्तार करने के बाद मामले की जांच मानसिक रोगी के तौर पर शुरू की है. सीरियल क्रिमिनल सज्जाद को गिरफ्तार करने के लिए एसपी सिटी बरेली राहुल भाटी ने कई टीमों का गठन किया था और उनकी तैनाती शहर में की थी. सज्जाद ने पुलिस को बताया की उसकी बीवी सबीना ने उसे धोखा दिया और 20 लाख रुपये लेकर भाग गई जिसके बाद उसे सभी लड़कियों से नफरत हो गई.

अतीक अहमद और अशरफ की क्राइम कुंडली बेहद खौफनाक है, अब तो उसका आईएसआई और लश्कर से संबंध भी सामने आ गया है

माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या किये जाने के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत गर्मा गयी है। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रम सुरक्षा कारणों से निरस्त कर दिये हैं। इस बीच, आज भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात पर नजर बनाये रखी।जहां तक प्रयागराज में शनिवार को पुलिस हिरासत में हमलावरों की गोलियों से मारे गये माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की बात है तो एक समय पूरे इलाके में दहशत के प्रतीक रहे यह दोनों भाई अब वाकई मिट्टी में मिल गये हैं। दोनों के शवों को रविवार रात स्थानीय कब्रिस्तान में दफना दिया गया। पुलिस हिरासत के दौरान हुए इस हत्याकांड ने हालांकि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर कई सवाल खड़े किये हैं लेकिन यह भी देखना चाहिए कि जो मारे गये हैं उनका इतिहास कितना दागदार था। अपहरण, जबरन वसूली और हत्या सहित 100 से ज्यादा गंभीर आपराधिक आरोपों से घिरे अतीक अहमद का पाकिस्तान कनेक्शन भी सामने आया है जिसने सभी को चौंका दिया है।हम आपको बता दें कि अतीक अहमद ने पुलिस पूछताछ के दौरान हाल में स्वीकार भी किया था कि उसके पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ संबंध थे। एक प्राथमिकी में इसकी जानकारी दी गयी है। प्रयागराज के शाहगंज थाने में दर्ज करायी गयी प्राथमिकी में पुलिस ने यह उल्लेख किया है कि अदालत के आदेश पर अतीक अहमद का बयान लिया गया जिसमें उसने स्वीकार किया कि उसका (अतीक का) संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से है। प्राथमिकी में अतीक अहमद के हवाले से दर्ज बयान में कहा गया है, पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा ड्रोन के माध्यम से पंजाब प्रांत में हथियार गिराये जाते हैं तथा पंजाब में आईएसआई से जुड़ा व्यक्ति उन हथियारों को एकत्र कर कुछ लश्कर-ए-तैयबा को भेजता है तथा कुछ हथियार खालिस्तानी अलगाववादी संगठनों को देता है और उन्हीं में से कुछ हथियार जैसे प्वाइंट 45 बोर की पिस्तौल, एके 47 राइफल, स्टेनगन और आरडीएक्स मुझे भी उपलब्ध कराता है, जिसका मैं भुगतान भी करता हूं।अतीक ने पुलिस को बताया, इन संगठनों के लोग मेरे यहां आते-जाते थे और इन लोगों से आपस में की गयी बात से ये जानकारी प्राप्त हुई थी कि ये लोग देश में कोई बड़ी वारदात करना चाह रहे हैं। उसने पुलिस को यह भी बताया, हथियार उपलब्ध कराने वाले आईएसआई और लश्कर से जुड़े कुछ लोगों का पता उसे और कुछ के बारे में उसके भाई अशरफ को मालूम है।'' पांच बार विधायक रह चुके अतीक ने बयान में स्वीकार किया था कि उन्हीं (लश्कर और आईएसआई) से लिये गये हथियार उमेश पाल और उसकी सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की इस साल फरवरी में हुयी हत्या में इस्तेमाल किया गया था। उसने कहा, ''प्रयोग में लाये गये तथा हत्या के बाद रखे हुए हथियारों का पता हम दोनों लोग साथ चलकर बता सकते हैं, क्योंकि उन जगहों का कोई मकान नंबर नहीं है, जिसे जेल से बता पाना मुमकिन नहीं है। यदि आप (पुलिस) हम दोनों साथ चलें तो हम लोग उन स्थानों की पहचान कर सकते हैं।देखा जाये तो अतीक और अशरफ का आपराधिक इतिहास बेहद क्रूर रहा है। अतीक के खिलाफ वर्ष 1979 से अब तक 101 मुकदमा दर्ज हुए जबकि अशरफ के खिलाफ 57 मुकदमे दर्ज थे। यही वजह है कि इनसे पीड़ितों और दुश्मनों की संख्या काफी थी। इसका अंदाजा आप इससे लगा सकते हैं कि 2005 में राजू पाल की हत्या के बाद पुलिस जब राजू पाल की बॉडी को लेकर जा रही थी तो उसने 56 किलोमीटर तक उसका पीछा किया था और मेडिकल कॉलेज में भी डेड बॉडी पर गोलियां चलाई थी। साल 1979 में 17 साल की उम्र में अतीक अहमद पर कत्ल का पहला मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद तो उसने इतनी तेजी से अपराध की दुनिया में कदम बढ़ाए कि 1985 आते-आते वो प्रयागराज ही नहीं आसपास के जिलों में भी पैर पसारने लगा था। वैसे ही 1989 में चांद बाबा को मार डाला था। 2007 में जब मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे तब अतीक के भाई अशरफ ने 2 लड़कियों को उठा लिया था और रेप किया था। बाद में उन्हें मदरसे में छोड़ गया था।बहरहाल, अतीक अहमद की हत्या को लेकर सियासी बयानबाजी जारी है। उत्तर प्रदेश के विपक्षी नेताओं के अलावा गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाये हैं। इस क्रम में आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी योगी सरकार पर जमकर बरसे।

ज्ञानवापी : मस्जिद में वजू के लिए रखे जाएं पानी भरे टब, सुप्रीम कोर्ट का DM को निर्देश

ईद-उल-फितर से पहले भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में वुजू के प्रदर्शन के लिए उपयुक्त व्यवस्था करने के लिए एक आवेदन का निस्तारण किया, जहाँ पिछले साल एक 'शिव लिंग' पाए जाने का दावा किया गया था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और पीएस नरसिम्हा की पीठ ने भारत के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा प्रदान किए गए आश्वासन को दर्ज करने के बाद ही आवेदन का निस्तारण किया। ईद के मौके पर मस्जिद जिला प्रशासन द्वारा उस स्थान पर पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाएगा जहां वुजू किया जाता है।पीठ ने कहा कि हम भारत के लिए सॉलिसिटर-जनरल का बयान दर्ज करते हैं कि वुजू के प्रदर्शन को सुविधाजनक बनाने के लिए, कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित करेंगे कि पर्याप्त संख्या में टब हों और पानी के लिए सुविधाएं निकटता में उपलब्ध हों ताकि जो नमाज अदा करने आए उन्हें असुविधा न हो। सॉलिसिटर-जनरल ने कहा कि हमने जगह से 70 मीटर दूर शौचालय उपलब्ध कराए थे, लेकिन वे मस्जिद के परिसर के अंदर इन सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद की प्रबंधन समिति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफा अहमदी ने पीठ को बताया कि विवादित क्षेत्र का उपयोग वर्षों से मुस्लिम उपासकों द्वारा इस उद्देश्य के लिए किया जाता रहा है।

समाज सेवी राजेश वर्मा को याद किया

दिलीप कुमार मिश्रा

कानपुर। अपने लिये तो दुनिया मे हर लोग जीवन जीते है जो जीवन दूसरो के लिये काम आये उसका अपना आनन्द होता है, ऐसी ही सोच रखने वाले रछक सेवा के संस्थान के महामंत्री राजेश वर्मा को श्रध्दा सुमन अर्पित करते हुए उनकी दूसरी पुण्य तिथि मे उनके कार्य को याद किया। वक्ता नन्दू शुक्ला,सोनू बाबा,जितेंद्र वर्मा, दिलीप कुमार मिश्रा ने उनके बताये गये मार्ग पर चलने की बात कही व सभी समाज सेवियो को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए, करोना समय मे उन्होने अपनी जान की परवाह न करते हुए सैकड़ो लोगो की जान बचाई। आज लाल बंगला मे शर्बत वितरण किया गया। इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से लोग मौजूद रहे।

कानपुर नगर कक्षा 1 से 8 तक है समस्त बोर्ड के स्कूल 7:30 से 12:00 बजे तक संचालित होंगे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला अधिकारी कानपुर नगर द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में अत्यधिक धूप और लू के दृष्टिगत जनपद कानपुर नगर में कक्षा एक से कक्षा 8 तक के समस्त बोर्डो द्वारा संचालित सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालयों के संचालन समय में परिवर्तन करते हुए दिनांक 19 अप्रैल 2023 से अग्रिम आदेशों तक प्रातः 7ः30 बजे से दोपहर 12ः30 बजे तक संचालित किया जाता है। सभी संस्थान निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

जिला बदर अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर व पुलिस उपायुक्त दक्षिण जोन कमिश्नरेट कानपुर नगर व अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण व सहायक पुलिस आयुक्त बाबूपुरवा व प्रभारी निरीक्षक गोविन्द नगर कानपुर नगर के कुशल निर्देशन में अपराध नियन्त्रण व अपराधियों की धरपकड़ के तहत थाना गोविन्द नगर कानपुर नगर से वाद संख्या आदेश के तहत जिला बदर चल रहे अभियुक्त मल्लू उर्फ कल्लू उर्फ सुमित पुत्र वेदप्रकाश निवासी- बी के पीछे विवेकानन्दनगर थाना गोविन्दनगर उम्र 26 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र अन्तर्गत मिश्री लाल चौराहे से गिरफ्तार करते हुए अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए मु0अ0स0 उ0प्र0 गुण्डा नियन्त्रण अधि0 पंजीकृत कर न्यायालय प्रेषित किया जा रहा है।

हल्की बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा,ठंडी हवाओं ने दी राहत यलो अलर्ट जारी,मौसम में बना रहेगा उतार-चढ़ाव

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रविवार दोपहर 12 बजे से अचानक ही मौसम ने करवट ले ली। घने बादलों ने कानपुर के ऊपर डेरा डाल दिया है। वहीं तेज हवाएं भी चलना शुरू हो गई हैं। धूल भरी आंधी चलने से लोगों ने घरों के खिड़की, दरवाजे तक बंद कर लिए हैं। वहीं आंधी के चलते बिजली भी गुल कर दी गई है। वहीं घने बादलों के चलते दोपहर में ही शाम जैसा नजारा हो गया है। वहीं हल्की बारिश से मौसम भी खुशनुमा हो गया।

रात का तापमान जहां 5.2 डिग्री तक गिर गया है, वहीं दिन का तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक अगले 72 घंटों तक

कानपुर और आसपास के जिलों में आंधी और बारिश के आसार बने हुए हैं।शनिवार को रात का तापमान 24.8 से गिरकर 19.6 डिग्री सेल्सियस हो गया। एक ही झटके में 05.2 डिग्री पारा गिर गया। दिन के तापमान में 02.6 डिग्री सेल्सियस वृद्धि हो गई। अप्रैल माह के अंतिम दिनों में मौसम का मिजाज फिर बदल रहा है। दिन का तापमान 40 डिग्री होने के बाद पहले पारा 33.8 और फिर 36.4 डिग्री सेल्सियस हो गया। यह सामान्य से 03.6 डिग्री कम है। रात का तापमान करीब 1.2 डिग्री सामान्य से कम है। अभी रात-दिन के तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।रविवार सुबह तेज लेकिन ठंडी हवाएं चलीं।20-30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवाओं से सुबह मौसम सुहाना रहा। उत्तर पूर्वी हवाओं के कारण यह लू में नहीं बदल सकीं। अभी हवा की दिशा यही बनी रहेगी।

सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि आईएमडी ने 22 से 24 तक यलो अलर्ट जारी किया है।इस दौरान तेज हवाएं चलेंगी और गरज चमक के साथ हल्की बारिश भी संभव है।फिलहाल मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। गर्मी से राहत रहेगी।

बागेश्वर सरकार: धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा कानपुर में क्यों हुई स्थगित?

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा सुनने वालों के लिए बुरी खबर है। क्योंकि कानपुर में 17 से 21 अप्रैल तक होने वाली कथा की परमिशन को रद्द कर दिया गया है। प्रशासन ने इसके लिए कानून व्यवस्था का हवाला दिया है।आपको बताते चलें कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा हनुमंत कथा 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक कानपुर के पवन तनय आश्रम रंजीतपुर मे की जानी थी और दिव्य दरबार भी लगना था लेकिन प्रयागराज में हुई घटना के बाद प्रदेश में धारा 144 के प्रभावी होने और पुलिस की उपलब्धता की दृष्टि से एसडीएम मैथा ने हनुमंत कथा के लिए पूर्व में जारी की गई अनुमति को अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है।जबकि पूर्व में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा वीडियो जारी कर कानपुर में हनुमंत कथा की बात कही गई थी और 2 दिन का दिव्य दरबार लगाने की बात भी कही गई थी।

जिसको लेकर समर्थकों व भक्तों में खुशी का माहौल था। लेकिन अब उनकी कथा कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के इस कार्यक्रम में लगभग 5 से छह लाख लोगों के शामिल होने का अनुमान था। फिलहाल प्रशासन द्वारा कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है।जिसके कारण धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के प्रस्तावित हनुमंत कथा कार्यक्रम को अग्रिम आदेशों तक स्थगित किया जाता है। स्थित अनुकूल होने पर हनुमंत कथा आयोजन के संबंध में अनुमति देने पर पुनर्विचार किया जाएगा।

घाटमपुर में गले मिल हिन्दू मुस्लिम एकता का दिया सन्देश

-धूमधाम से मनाई ईद गले मिलकर दी, दिली मुबारकबाद -सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। कस्बा सहित बिधनू,पतारा, जहांगीराबाद, सजेती, बरीपाल, बीबीपुर कासिमपुर में ईद का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। ईद मुस्लिम धर्म का सबसे बड़ा पर्व होता है। यह पर्व आपसी भाईचारे का प्रतीक है। इस पर्व में लोग एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाइयां देते है। इस दौरान यहां पर हिन्दू मुस्लिम एकता का सन्देश दिया नगर स्थित ईदगाह में लोगों में एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। इसी क्रम में बिधनू क्षेत्र के रमईपुर, मझावन, सेनपश्चिम पारा में ईद का त्योहार हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। घाटमपुर शहर काजी सरताज रजा ने बताया कि, मक्का से मोहम्मद पैगंबर के प्रवास के बाद पवित्र शहर मदीना में ईद-उल-फितर का उत्सव शुरू हुआ। कहा जाता है कि पैगम्बर हजरत मुहम्मद ने बद्र की लड़ाई में जीत हासिल की थी। इस जीत की खुशी में सभी का मुंह मीठा करवाया गया था, इसी दिन को मीठी ईद या ईद-उल-फितर के रुप में मनाया जाता है। ईद का त्योहार लोग बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन हर घर में सेवइयों बनती है व तरह-तरह के पकवानों के साथ मेहमानों का स्वागत किया जाता है और ईद के चांद के सामने दुआएं पढ़ी जाती हैं। इस खास दिन का हर मुस्लिम को इंतजार रहता है। सभी अपने प्रियजनों से गले लग उन्हें ईद की मुबारकबाद देते हैं। साथ ही, पुराने गिले-शिकवे भी मिटा देते हैं। ईद का त्योहार सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ ही आपसी भाई चारे की भावना को बढ़ाता है। यह पर्व अमन-चैन और सौहार्द का संदेश देता है। ईद का त्योहार साल में रमज़ान के महीने के बाद आता है और इस दिन का मुस्लिम धर्म के लोग बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। क्योंकि यह त्योहार रमजान के पूरे महीने रोजे रखने, अल्लाह की इबादत करने के बाद नसीब होता है। इस दिन सभी लोग नए-नए कपड़े पहनते हैं, ईद की नमाज़ अदा करते हैं और स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं। घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि घाटमपुर सर्किल में पुलिस प्रशासन के साथ पीएसी बल सुरक्षा के दृष्टिगत मस्जिदों व ईदगाह में तैनात रहा। मुस्लिम समाज के लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा की है।

महापौर पद के लिए बसपा प्रत्याशी ने कराया नामांकन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। निकाय चुनाव को लेकर नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आज 6वां दिन है। सोमवार को नामांकन दाखिल करने का

अंतिम दिन है। ऐसे में रविवार सुबह 11 बजे से ही प्रत्याशियों में नामांकन दाखिल करने की होड़ मची हुई है। हालांकि बारिश की वजह से नामांकन कराने आने वाले प्रत्याशियों को थोड़ा परेशानी हुई।रविवार को सपा के बाद बसपा से महापौर पद की प्रत्याशी अर्चना निषाद नामांकन करने के लिए पहुंचीं। पिछली बार भी बसपा ने उन्हें महापौर पद का प्रत्याशी बनाया था। रविवार को नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने अपनी जीत के दावे किए।वहीं भाजपा में महापौर पद को लेकर अभी से अंतर्कलह दिखने लगी है। पार्षद पद को लेकर कांग्रेस और बसपा ने भी अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। हालांकि लगभग सभी पार्टियों के प्रत्याशी एक-एक सेट नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। प्रत्याशियों के मुताबिक पार्टी का सिंबल लेटर मिलते ही नामांकन के साथ एक और सेट दाखिल कर देंगे।

अब तक 522 प्रत्याशी करा चुके हैं नामांकन

कानपुर नगर निगम और चारों नगर पंचायतों को मिलाकर अभी तक कुल 522 प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं। इसमें सबसे ज्यादा नामांकन शनिवार यानि कि अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर दाखिल किए गए। शनिवार को कुल 259 नामांकन दाखिल किए गए थे। पार्षद पद के लिए अभी तक 213 नामांकन दाखिल किए जा चुके हैं।

व्यापारियों ने वंदना बाजपई को जितवाने का संकल्प लिया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आज बर्रा 8 में कानपुर दक्षिण व्यापार मंडल के तत्वाधान में कानपुर से सपा की महापौर प्रत्याशी वंदना बाजपई का क्षेत्रीय व्यापारियों और नागरिकों ने व्यापारी नेता और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रहे अभिमन्यु गुप्ता और दक्षिण व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी के नेतृत्व में स्वागत किया।मौजूद क्षेत्रीय व्यापारियों और नागरिकों ने क्षेत्र में सफाई,आवारा जानवरों, लाइटिंग, हाउस टैक्स और कमर्शियल टैक्स में बेतहाशा वृद्धि की शिकायत की।व्यापारियों ने वंदना बाजपई को जितवाने का संकल्प

लिया।वंदना बाजपई ने व्यापारियों की हर समस्या के निदान का आश्वासन दिया।

इस पर वंदना बाजपई ने आश्वासन दिया की हाउस टैक्स और व्यावस्यिक टैक्स पहले की ही तरह कम की जाएंगी और नगर निगम द्वारा किसी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होगा।वरिष्ठ व्यापारी नेता अभिमन्यु गुप्ता ने कहा की व्यापारी, अभिभावक और नौकरीपेशा हर वर्ग आज वंदना बाजपई को महापौर देखना चाहता है।दक्षिण व्यापार मण्डल के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी व अर्चिता तिवारी ने वंदना बाजपई को पगड़ी और मोतियों की माला पहनाई।साथ ही परशुराम जी का चित्र भी भेंट किया।

उत्तर प्रदेश प्रांतीय व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अभिमन्यु गुप्ता,कार्यक्रम आयोजक दक्षिण व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी,अर्चिता तिवारी, रेशू यादव,उमा देवी,गोविंद नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्याम जी शर्मा,सुभाष द्विवेदी,सुनील यादव,नरेंद्र कठेरिया आदि थे।

भाजपा के मेयर प्रत्याशी की घोषणा के पूर्व पोस्टर वायरल, मुकदमा दर्ज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में भाजपा के मेयर प्रत्याशी की घोषणा के पूर्व किसी ने बीजेपी महापौर का टिकट मांगने वाली नीतू सिंह का पोस्टर वायरल कर दिया। इसमें नीतू सिंह को बीजेपी महापौर प्रत्याशी बताते हुए बधाई दी गई है। इसके साथ ही दूसरा पोस्टर नामांकन जुलूस का वायरल हुआ है। पनकी पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पनकी बी-ब्लॉक निवासी भाजयुमो के पूर्व महामंत्री रचित पाठक के मुताबिक नगर निगम के चुनाव को लेकर सभी पार्टियों की तैयारी चल रही है। कुछ अराजक तत्वों ने रचित पाठक के नाम से अफवाह फैलाते हुए एक पोस्टर वायरल कर दिया है। इसमें सांसद की बेटी व बैरिस्टर नरेंद्रजीत सिंह की बहू नीतू सिंह को बीजेपी महापौर प्रत्याशी बताकर बधाई दी गई है।

जबकि अभी तक बीजेपी ने अधिकृत रूप से मेयर कैंडिडेट की घोषणा नहीं की है। इसके बाद भी पार्टी में नीतू सिंह छवि धूमिल करने और माहौल बिगाड़ने के लिए इस तरह के पोस्टर बनाकर वायरल किए जा रहे हैं। इसके चलते उन्होनें पनकी थाने में अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पनकी थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि रचित पाठक की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। रचित पाठक ने इस तरह का फर्जी पोस्टर वायरल करने वालों के कई लिंक उपलब्ध कराए हैं। साइबर सेल के साथ मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस तरह की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। हालांकि नीतू सिंह के नाम की अभी बीजेपी से कोई घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने पार्टी से मेयर के लिए दावेदारी करते हुए टिकट की मांग की है। इसके साथ ही नामांकन कराने के लिए पर्चा भी लिया है। लेकिन पर्चा अभी दाखिल नहीं किया गया है।

मंडल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शहर के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

बीपीएस न्यूज

कानपुर।राम लखन भट्ट डिग्री कॉलेज सरायमिता कानपुर में कानपुर मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित मंडल एथलेटिक चैंपियनशिप में शहर का दबदबा रहा। कानपुर के एथलीटों ने विभिन्न आयु वर्ग के इवेंट्स में बाजी मार कर टीम चैंपियनशिप जीत ली, प्रतियोगिता में इटावा, फर्रुखाबाद, बलिया, लखनऊ, जालौन, इलाहाबाद, कानपुर नगर व देहात के प्रतिभागियों ने भाग लेकर विभिन्न प्रतियोगिताओं अपने-कौशल वह खेल दक्षता का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में वर्तमान के लक्ष्मण अवॉर्डी राधेश्याम सिंह ने भी भाग लेकर डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल हासिल किया। रक्षा चतुर्वेदी शॉट पुट में गोल्ड, पूजा शुक्ला 100 मीटर में गोल्ड, विमल पांडे शॉटपुट में गोल्ड, काव्या कुशवाहा लंबी कूद में गोल्ड मेडल हासिल कर शहर का नाम रोशन किया। इससे पहले पांच बार के पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश बाजपेई ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। समापन श्रमिक नेता शिवम त्रिपाठी ने किया। प्रतियोगिता में सुरेंद्र सिंह रैयत, हरीश कनोत्रा, संजय सिंह, विनय अवस्थी मोतीलाल, शैलेंद्र सिंह, नीरज शर्मा,विंध्याचल राजभर, शिव यादव (कोच), उदय यादव, चंद्रकांता सहित 400 खिलाड़ी उपस्थित रहे।

जायद फसलों में मक्का का महत्वपूर्ण स्थान

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ.बिजेंद्र सिंह के जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्र ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि जायद की फसलों में मक्का का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में जायद मक्का का क्षेत्रफल लगभग 45000 हेक्टेयर है एवं कानपुर मंडल में मक्का का क्षेत्रफल लगभग 7500 हेक्टेयर है। डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि अधिकतर किसान भाई जायद मक्का की बुवाई भुट्टो के लिए करते हैं जिसे बाजार में बेचकर अच्छी आमदनी प्राप्त करते हैं।उन्होंने कहा है कि जायद मक्का का प्रबंधन यदि अच्छी प्रकार किया जाए तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल से लगभग 60 से 70 कुंतल दाना तथा 220 से 230 कुंतल हरा भुट्टा प्राप्त किया जा सकता है। तथा इतना ही हरा चारा पशुओं के लिए मिल जाता है। जिससे गर्मियों में हरा चारा की कमी को पूरा किया जा सकता है ।फसल प्रबंधन के क्रम में उन्होंने बताया कि मक्का की बुवाई के 15 से 20 दिनों के बाद पहली सिंचाई अवश्य कर दें। तत्पश्चात अगली सिंचाई आवश्यकता अनुसार 10 से 15 दिन के अंतराल पर करते रहें। जायद मक्का में खरपतवारो के नियंत्रण के लिए खुरपी की सहायता से निराई कर दें।जिससे खरपतवार प्रबंधन हो जाता है तथा मिट्टी में स्वसन क्रिया बढ़ने से पौधे स्वस्थ हो जाते हैं उन्होंने यह भी कहा कि उर्वरक प्रबंधन के लिए खड़ी फसल में यूरिया का छिड़काव 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पहली सिंचाई के बाद ओट आने के बाद सायं कॉल करें। फसल सुरक्षा के लिए यदि मक्का में तना छेदक /शिरा बेधक कीट लगा हुआ है ।

नेपियर घास एक बार लगाएं, 5 वर्षों तक पशुओं को खिलाएं हरा चारा : डॉ शशीकांत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देशन के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के द्वारा ग्राम मुरीदपुर में पशुपालन विषय के अंतर्गत पशुओं के चारे की समस्या के निवारण के लिए नेपियर घास की वैज्ञानिक खेती विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने किसानों को बताया कि नेपियर घास एक वर्षीय चारे की फसल है।इसके पौधे गन्ने की भांति लंबाई में बढ़ते हैं एक पौधे से 40 से 50 किल्ले निकलते हैं। यह पशुओं के लिए बहुत ही पौष्टिक चारा है। जो सर्दी गर्मी व वर्षा ऋतु में कभी भी उगाया जा सकता है।जब किसानों के पास गर्मी में हरे चारे की किल्लत होती है।उस समय नेपियर घास पशुओं के लिए हरे चारे के रूप में वरदान साबित होता है।किसान भाई इस घास को एक बार लगा लेने पर 5 साल तक लगातार प्रति महीना इससे हरा चारा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसके लगाने के लिए तने के टुकड़े को लेते है जिसमें कम से कम दो गाठे होनी चाहिए। जिसको एक गांठ जमीन में तथा अन्य गांठ जमीन के ऊपर 45 डिग्री के कोण पर टेढ़ा करके लगाते हैं यह पौधे से पौधे की दूरी 60 सेंटीमीटर तथा लाइन से लाइन की दूरी 1 मीटर रखते हैं इस फसल से वर्ष भर में 150 से 200 हरा चारा प्रति हेक्टेयर प्राप्त हो जाता है।केंद्र के मृदा ववैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि नेपियर घास कई प्रकार की मिट्टियों में उगाई जा सकती है जिसमें प्रचुर मात्रा में जीवांश पदार्थ उपस्थित हो इसके लिए सर्वोत्तम होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 से 8 होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि चारे में कच्ची प्रोटीन 10 से 11ब्र, इथर 3ब्र ,रेशा 31 से 32ब्र,एन एफ ई 45ब्र एवं भस्म 14ब्र पाया जाता है द्य इस मौके पर गांव के प्रगतिशील किसान ईश्वर, धीरेंद्र सिंह, शिवकुमार, धर्मवीर सिंह एवं तकनीकी सहायक गौरव शुक्ला के साथ 55 लोग उपस्थित थे।

भगवान परशुराम के तैलचित्र पर किया माल्यार्पण

कानपुर। अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव /प्रकटोत्सव की पूर्वसंध्या के पावन पवित्र अवसर पर भगवान परशुराम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा का आयोजन मर्चेंट चेंबर सभागार सिविल लाइंस में किया गया है । जन्मोत्सव का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया । परिचर्चा में भाग लेते हुए वक्ताओं ने भगवान परशुराम के व्यक्तित्व और कृतित्व का वर्णन किया ।भगवान परशुराम ने जीवन भर दूसरों की भलाई के लिए काम किए। सर्व ब्राह्मण महासभा प्रत्येक वर्ष भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करती चली आ रही है ,जिसमें विप्र समागम ,भगवान की आरती, विप्र बंधुओं का सम्मान आदि कार्यक्रम महासभा के द्वारा किए जा चुके हैं। परिचर्चा में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे संरक्षक डॉ बीएन त्रिपाठी प्रांतीय अध्यक्ष डॉ नरेंद्र द्विवेदी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डॉ दिवाकर मिश्र कार्यकारी अध्यक्ष वरुण मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष असीम बाजपेई अनूप त्रिपाठी मंजू त्रिपाठी पप्पू त्रिवेदी राजेंद्र शुक्ला दुर्गेश मणि त्रिपाठी रमेश पांडे आदि ने भाग लिया । परिचर्चा का संचालन महामंत्री ओम नारायण त्रिपाठी ने किया।

कोचिंग पढ़ने गया बच्चा रास्ते से हुआ लापता

कानपुर। दबौली निवासी सार्थक शुक्ला उर्फ शुभ 8 वर्ष कक्षा 2 केंद्रीय विद्यालय अरमापुर का छात्र है जोकि घर से कोचिंग पढ़ने निकला था घर से कोचिंग सेंटर महज 150 मीटर दूर है देर शाम जब बच्चा जब कोचिंग से घर वापस नहीं लौटा तो घर वाले बच्चे की कोचिंग गए जहा पता चला की बच्चा कोचिंग पढ़ने गया ही नही घर वालो ने जब बच्चे की तलाश शुरू की और गलियों में लगे सीसीटीवी फोटेज खंगाले तो बच्चा कोचिंग से कुछ ही दूर दूसरी गली से जाता हुआ दिखाई दिया जिसके बाद परिजनों ने बच्चे की कई घंटो तक तलाश की जब बच्चा नहीं मिला तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस बच्चे की तलाश में जुट गई। अगर किसी भी व्यक्ति को इस बच्चे के संबंध में कोई भी जानकारी हो या बच्चा कही पर मिले या दिखे तो कृपया कर इन मोबाइल नंबरो 8738814400,6392333913 पर सूचना करें।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।